उस दिन कलवरी पर

धन्यवाद, भाई नेविल। [भाई नेविल, "आपको आशीष मिले, भाई।"—सम्पा] भाई नेविल, परमेश्वर आपको आशीष दे। बहुत–बहुत धन्यवाद।

2 मित्रों, शुभ प्रातः। आराधनालय में फिर यहां आना एक सौभाग्य है, इस प्रातः, कि प्रभु की सेवा करें, वचन के प्रचार करने के द्वारा और बीमारों के प्रार्थना करने के द्वारा। और इस दिन के लिए मैं बहुत आभारी हूं।

3 जैसे ही मैं भीतर आया, मुझे आश्चर्य हुआ। एक भाई चलकर आया और कहा, "मैं उस अयोग्य कोढ़ी के समान नहीं होना चाहता जो चंगा हो गया था।" यह भाई राइट्स है। मैंने उनके लिए प्रार्थना की, और प्रभु ने उन्हें पूर्ण चंगा कर दिया। और वे मुझ हाथ मिलाने को रोते हुए आए, और यह कहा कि—कि मैं प्रभु को धन्यवाद देना चाहूंगा क्योंकि—क्योंकि चंगा हो गया हूं। वह वापस आना चाहते और धन्यवाद देना चाहते हैं। सब चला गया। अब वह—वह बिल्कुल ठीक हैं। हम ऐसी गवाहियो के लिए आभारी हैं।

4 और चार्ली, आप और भाई जेफ्री, यदि आप यहां आकर यह बैठने का स्थान लेना चाहे। और आपका स्वागत है, ताकि आपको खड़ा ना रहना पड़े। वहां दूसरा भाई, और भाई वुडस, अभी यहां आ जाएं। आप... यहां बैंच पर, थोड़ा सा स्थान है, ताकि आपको खड़ा ना होना पड़े। मैं विश्वास करता हूं, यहां थोड़ा सा स्थान है, और, हां, यहां आपका बहुत–बहुत स्वागत है कि यहां पर इन स्थानों को ग्रहण करें।

5 हम भी आनंदित है... मैं विश्वास करता हूं, कि एक बार यह कहा गया था, "मैं आनंदित हुआ जब उन्होंने मुझ से कहा... " भाई परमेश्वर आपको आशीष दे। [एक भाई कहता है, "हम प्रचारक के पास आना चाहते है।"—सम्पा।] आपका धन्यवाद। धन्यवाद, आपका धन्यवाद। "मैं बहुत आनंदित हुआ जब उन्होंने मुझ से कहा, आओ हम यहोवा के भवन को चले।" यही मसीहो का सौभाग्य और आनन्द है, कि यहोवा के भवन को जाए।

6 चारों ओर देख रहा हूं, आज की प्रातः बहुत से मित्रों को देख रहा हूं, इस पर मैं बहुत ही उल्लसित हुआ। मुझे भाई और बहन डाऊच को यहां देखकर

प्रसन्नता हुई, जो ओहियो से हैं। पीछे वहां मैं भाई और बहन आर्मस्ट्रोंग को देखता हूं, ओहियो से हैं। आप सब को भी परमेश्वर आशीष दे। और, ओह, चारों ओर देख रहा हूं, आप देखिए, बहुत से सब का नाम लेना बहुत कठिन है। बहन होवर, आपको केन्टकी से, यहां इस प्रातः देखकर हम प्रसन्न हैं। और चार्ली और नेली, भाई जैफ्रीस और उनका परिवार, और इस नगर के बाहर से बहुत से लोग।

7 इसलिए आज प्रातः हम प्रभु में महान समय की आशा करते हैं, कि परमेश्वर हमारे प्राणों को आशीषित करते हुए हमसे मिलेगा और उन बातों से जिनकी हमें आवश्यकता है, हमारी सेवा करें।

8 जैसा कि मैं इस स्थान को चारों ओर से देख रहा था, यदि मैं यहां अपने सारे मित्रों को पुकारूं, तो प्रातः का बहुत भाग लेगा, बहुतो से बात करते हुए। वापस कलीसिया में आना मुझे अच्छा लगता है, सब लोगों को यहां अंदर देखूं, मिलने के लिए।

9 जब हम स्वर्ग पहुंचेंगे तो यह क्या होगा, और हम वहां अनंत समय के लिए मिलेंगे, अनंत संगति एक साथ, परमेश्वर के सिंहासन के चारों ओर, वही आशीषे जो हमारी भी प्रिय हैं? हम, वहां, उसकी समानता में बनेंगे, और उसकी छवि में, और उसका आत्मा आराधना के लिए कि सारी अनंतता में उसकी सेवा करें, कभी ना थके।

10 जरा सोचे, कोई ऐसी चीज़ नहीं है, जिसे आप सोच सके, जो आप करना चाहे, परन्तु जब किसी समय आप इसे करते हुए थक जाते थे। चार्ली, मैं समझता हूं कि तुम्हारे ओर मेरे लिए गिलहरी के शिकार से अधिक कुछ नहीं है, जो हम करना चाहते हैं, परंतु आप जानते हैं, आप इसे करते हुए थक जाते हैं।

11 और मैं—मैं बस घूमना चाहता है, कि—कि पहाड़ो में जाकर और बस घूमुं। परंतु मैं थक जाता हूं, कभी–कभी, आप कुछ और करना चाहते हैं।

12 और मैं कार चलाना पसंद करता हूं। और मुझे थकान का अनुभव करता हूं और थक जाता हूं, और मेरी शक्ति किनारे पर हो जाती है। मैं अपनी कार में कूदकर बैठूंगा, बाहर निकालुंगा, और स्टेरिंग पकड़ूँगा, सड़क पर निकल जाऊंगा, गाता हुआ, "मैं आनंदित हूं कि मैं भी उनमें से एक हूं," या कुछ भी। बस उस स्ट्रेचिंग के चक्के को पकड़ कर, और गाते हुए, पैर से ताल

मारते हुए, और चिल्लाते हुए। और फिर थोड़ी देर बाद, मैं थक गया, और फिर घर वापस आ गया और कुछ और करना आरंभ करता हूं।

13 परन्तु जब हम नए राज्य में परमेश्वर की आराधना के लिए पहुंचेंगे, तो वहां कभी भी थकावट वाले क्षण नहीं आएंगे, बस—बस केवल सदा आशीष होगी और, और, और। परन्तु, तब हम बदल जाएंगे। हम तब अब जैसे नहीं होंगे। तब हम भिन्न प्रकार के प्राणी होंगे, जो इस समय हैं उससे। इसलिए, हम आनंदित हैं।

14 मैं सोच रहा था। मैं नहीं जानता कि मैंने कभी इसे रिकॉर्ड किया है या नहीं। भाई चार्ली, कुछ समय पहले, मैं उनके साथ केन्टकी में था, और उन्होंने कहा, "भाई ब्रंहम, आप सोचते हैं, कि सह–शताब्दी में, आप और मैं गिलहरी का शिकार करेंगे? "

मैंने कहा, "चार्ली, मैं ऐसा नहीं सोचता।"

15 कहा, "हम, इसे इतना पसंद करते हैं," कहा, "क्या आप—आप सोचते हैं कि जब हम सह–शताब्दी में होंगे? "

मैंने कहा, "नहीं, सह–शताब्दी में मारना नहीं होगा।"

और उसने कहा, "अच्छा, हमने बस इसे पसंद किया।"

16 मैंने कहा, "चार्ली, क्या हो यदि मैं तुम्हें इस बात पर सहमत कर लूं कि एक समय तुम सूअर थे, और आप उच्च श्रेणी के जीव में उठाए गए कि मनुष्य बनो? क्या आप पसंद करेंगे, कि वापस सूअर बन कर आनंद करें? "

कहा, "नहीं।"

17 मैंने कहा, "देखो, तुम सूअर से बहुत ही ऊंचे होंगे, अब, तुम मनुष्य हो तुम कभी भी सूअर बनना नहीं चाहोगे।" मैंने कहा, "अब इसे दस हजार से गुणा करो, और यही है जो तुम हो जाओगे जब यहां से बदल कर जो तुम बन जाओगे। तो फिर तुम कभी भी फिर मनुष्य नहीं बनना चाहोगे।"

18 यह ठीक बात है। यह कुछ भिन्न होगा। मैं इसे सोच कर आनंदित हूं, यह जानते हुए कि किसी दिन हम ऊंचे पर चढ़ेंगे।

19 ठीक है, अब, यदि प्रभु ने चाहा, तो अगले रविवार को जो कि विषय में होगा... तब मैं छोड़ने जा रहा हूं, बाहर व्योमिंग अच्छे मित्रों के साथ जा रहा

हूं; इदाहो में जा रहा हूं, अपने अच्छे मित्रों के साथ, भाई मीनर ऑर्गनब्राईट, भाई क्लेट्स सोनंमोर, क्रिश्चियन बिजनेसमैन।

20 अगले सप्ताह, अगले से अगला सप्ताह, अब; 7वां, मुझे डलास में—में होना है, टेक्सास में, वॉइस आफ हीलिंग कन्वेंशन में। और मैं सात की रात्रि को बोलूंगा। और तब मैं वापस आ जाऊंगा, कि इदाहो जाऊं भाई आर्गन ब्राईट के साथ और क्रिश्चियन बिजनेसमैन। और संभव है एक रात्रि मीनापोलिस, इसके पहले कि हम जाएं। और तब एक क्रिश्चियन बिजनेसमैन के ब्रेकफास्ट पर याने नाश्ते पर।

21 प्रभु ने चाहा तो अगले रविवार प्रातः मैं फिर यहां आराधनालय में वापस आना चाहूंगा, और यदि यह हो नहीं पाया और प्रभु की इच्छा रही तो। और मैं *चक्रवात हवा में,* इस विषय पर बोलना चाहता हूं, यदि प्रभु ने चाहा। यह मेरे हृदय में है, सारे सप्ताह से।

22 और उस प्रातः बहुत ही तड़के लगभग चार बजे प्रातः मैं उठा, और मुझे यह विचार मिला, "उस दिन कलवरी पर।" और मैं इस पर बोलना चाहता हूं इस प्रातः *उस दिन कलवरी पर।*

23 और अब इसे पढ़ने के लिए, औये हम अपनी बाईबलो में से निकाले, वचन में, संत मत्ती का सुसमाचार, 27वां अध्याय। और हम 27वे पद से आरंभ करेंगे और इस पवित्र वचन का भाग पढेंगे, ताकि अपनी पृष्ठ भूमि ले, तब हम जल्द ही आरंभ करेंगे। और प्रचार की सेवा के पश्चात, तब हम बीमारों के लिए प्रार्थना करेंगे।

24 और ओह, यहां पिछले समय से बस वापस ला रहा है, और मेरे नए प्रकार की सेवा का नमूना बना रहा है। मेरी उस सभा से बहुत गवाहियां आई हैं बजाए किसी और के लंबे समय से।

25 इस विषय में कुछ है, आपको संपर्क करना चाहिए, उस व्यक्ति से चाहे कितना भी अलौकिक दिखाया जाए। परंतु, चंगाई व्यक्ति के विश्वास पर विश्वास पर होती हैं। अब, व्यक्ति के पास यदि विश्वास है...

26 और वे इस प्रकार देखते हैं कि पवित्र आत्मा भक्त मंडली के ऊपर जाता है और कहता है, "*अमुक–अमुक* चीज घटित हुई है। और आपका, *ये–और–ये* नाम है। और आप *अमुक* स्थान से आए हैं। और आपने *यह–यह* किया है। और यह *इस* प्रकार से होगा।" और देखिए सब कुछ उसी प्रकार से घटित हुआ है!

27 तब, व्यक्ति, जो वहां बैठा है, देख कर कहना चाहिए कि, "यह तो परमेश्वर ही है। मैं अपनी चंगाई स्वीकार करता हूं।"

28 परन्तु, बजाए इसके व्यक्ति यह कहता है, "मेरे ऊपर हाथों को रखे और मेरे लिए प्रार्थना करें, मैं चंगा हो जाऊंगा।" हमें अमेरिका में इसी प्रकार सिखाया गया है, और, इसी प्रकार विश्वास करते हैं। और निश्चय ही यह वचन के अनुसार है।

29 परन्तु हम पाते है, अफ्रीका में विभिन्न स्थानों पर, इस प्रकार की कोई बात घटित हो जाए, सारी की सारी भक्त मण्डली एक ही समय में बढ़कर अपनी चंगाई स्वीकार कर लेते हैं, क्योंकि उन्हें कुछ सिखाया नहीं गया। समझे? उन्हें चंगाई भी नहीं बताई गई। और तब जब वे ये देखते है, वे जानते हैं कि परमेश्वर जीवित है। "और यदि वह जीवित है, तो वह—वह सर्वोच्च हैं, और वह—वह चंगा करता है।" और यही है, क्योंकि आधारभूत बातों ने पहले ही नीव रख दी है, कि वह चंगा करने वाला है, और लोगों को चंगा करता है। तब जब वे उसकी उपस्थिति को उसकी कलीसिया के द्वारा कार्य करते देखते हैं, तब वे कहते हैं, "यह तय हो गया। बस हमें इसी की आवश्यकता है।"

30 परंतु हमें सिखाया गया है, "बीमारों पर हाथ रखना," और इस प्रकार की बातें। यहीं कारण है कि अमेरिका में यह भली प्रकार से कार्य नहीं करता।

31 अब स्मरण रखे, अगली रविवार प्रातः, प्रभु ने चाहा, भाई नेविल निश्चय ही इसकी घोषणा करेंगे। और... वो... *यह चक्रवात हवा में।*

32 अब, मैं आपको थोड़ा समय दे रहा हूं कि अपने पवित्र वचन से, मत्ती 27। आइये हम उस—उस 27वे पद से पढ़ना आरंभ करें, संत मत्ती का सुसमाचार। अब पढ़ने को ध्यान पूर्वक सुने।

> *तब हाकिम के सिपाहियों ने यीशु को किले में ले जाकर, और सारी पलटन उसके चहु ओर इकट्ठी की।*
>
> *और उसके कपड़े उतार कर, और उसे किरमिजी बागा पहनाया।*
>
> *और कांटो का मुकुट गुथ कर उसके सिर पर रखा, और उसके दाहिने... हाथ में सरकंडा दिया: और उसके आगे घुटने टेक कर उसे ठट्ठे में उड़ाने लगे, कि हे यहूदियों के राजा नमस्कार!*

और उस पर थूका, और वही सरकंडा लेकर उसके सिर पर मारने लगे।

... जब वे उसका ठट्ठा कर चुके तो वह बागा उस पर से उतार कर, फिर उसी के कपड़े उसे पहिनाया, और क्रूस पर चढ़ाने के लिए ले चले।

और बाहर जाते हुए, उन्हें शमौन नाम एक कुरेनी मनुष्य मिला: उन्होंने उसे बेगार में पकड़ा कि उसका क्रूस उठा ले चले।

और उस स्थान पर जो गुलगुता नाम की जगह अर्थात खोपड़ी का स्थान कहलाता है,

पहुंचकर उन्होंने पित्त मिलाया हुआ दाखरस उसे पीने को दिया:... परंतु उसने चखकर, पीना ना चाहा।

तब उन्होंने उसे क्रूस पर चढ़ाया, और चिट्ठियां डालकर और उसके कपड़े बांट लिए: ताकि जो भविष्यवक्ता द्वारा कहा गया था पूरा हो कि, उन्होंने आपस में मेरे कपड़े बांट लिए, और मेरे कपड़ों पर उन्होंने चिट्ठियां डाली।

... और वहां बैठ कर उसका पहरा देने लगे;

और उसका दोषपत्र उसके सिर के ऊपर लगाया कि, ***यह यहूदियों का राजा यीशु है।***

तब उसके साथ दो डाकू थे एक दाहिने और एक बाए क्रूसो पर चढ़ाए गए।

और वे—वे आने जाने वाले सिर हिला–हिला कर उसकी निंदा करते थे,

और यह कहते थे कि हे मंदिर के ढाहने वाले, और तीन दिन में बनाने वाले अपने आप को तो बचा। यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो क्रूस पर से उतर आ।

इसी रीति से महायाजक भी शास्त्रियों, और पुरनियो समेत ठट्ठा कर करके, कहते थे,

उसने औरो को बचाया; और अपने को नहीं बचा सकता। यह तो इस्राएल का राजा है, अब क्रूस पर से उतर आए, तो हम उस पर विश्वास करें।

उसने परमेश्वर पर भरोसा रखा है; यदि वह इसको चाहता है तो अब इसे छुड़ा ले: क्योंकि इसने कहा था कि मैं परमेश्वर का पुत्र हूं।

इसी प्रकार डाकू भी जो उसके साथ क्रूसो पर चढ़ाए गए थे, उसकी निंदा *करते थे।*

अब दोपहर से लेकर तीसरे पहर तक उस सारे देश में अंधेरा छाया रहा।

और तीसरे पहर के निकट यीशु ने बड़े शब्दों से पुकार के कहा एली, एली, लमा शबक्तनी? अर्थात, हे मेरे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों छोड़ दिया?

जो वहां खड़े थे उनमें से कितनों ने यह सुनकर कहा, वह तो एलिय्याह को पुकारता है।

और उन में से एक तुरंत दौड़ा, और स्पंज लेकर सिरके में डुबोया, और सरकंडे पर रखकर उसे चुसाया।

औरो ने कहा, रह जाओ, देखें एलिय्याह उसे बचाने आता है कि नहीं।

तब यीशु ने फिर से बड़े शब्द से चिल्ला कर प्राण छोड़ दिए।

और, देखो मन्दिर का परदा ऊपर से नीचे तक फट कर दो टुकड़े हो गया; और धरती डोल गई, और चट्टानें तड़क गई;

और कब्रे खुल गई; और सोए हुए पवित्र लोगों की बहुत लोथे जी उठी,

और उसके जी उठने के बाद वे कब्रों में से निकल कर पवित्र नगर में गए, और बहुतों को दिखाई दिए।

तब सूबेदार, और जो उसके साथ, यीशु का पहरा दे रहे थे, भुईडोल, और जो कुछ हुआ था देख कर अत्यंत डर गए, और कहा सचमुच यह परमेश्वर का पुत्र था।

33 आईए एक क्षण के लिए हम अपने सिरों को प्रार्थना में झुकाए।

34 प्रभु, हम जानते हैं कि तू परमेश्वर है। और यह... इस पावन और पवित्र वचन को पढ़ने के बाद, हम अब भी आपके स्वभाव को देख सकते हैं कि वह नहीं बदला। आप सदा ही परमेश्वर हैं। और यहां ऐसा प्रतीत होता है

कि यीशु की कोई सहायता होने वाली नहीं, जैसा कि वह दृष्ट हाथों में था और टुकड़े–टुकड़े किया गया, और उस पर थूका गया, और ठट्ठा उड़ाया और क्रूस पर लटक रहा था, लहू बह रहा था, मर रहा था। और ऐसा प्रतीत होता है कि कोई सहायता नहीं है कहीं नहीं, यहां तक कि वह स्वयं चिल्लाया भी, "मेरे परमेश्वर, मेरे परमेश्वर, तू ने मुझे क्यों छोड़ दिया? "

35 परन्तु, आप उस क्षण में कार्य करते हैं कि जब कुछ और कार्य नहीं कर सकता। प्रभु, हमें बताया गया है, कि यदि कोई नदी जिसे हम पार नहीं कर सकते, यदि हमारे पास कोई पहाड़ जिसे हम पार नहीं कर सकते, परमेश्वर इन कार्यों को करने में विशेषज्ञ है, जो दूसरे नहीं कर सकते।

36 आप कार्य करने में एक विशेषज्ञ है क्योंकि आपको उस कलवरी के दिन का कारण मालूम था। आप, परमेश्वर होने के कारण अनंत हैं जानते थे कि यह घड़ी आनी ही है। परन्तु जब यह पूरा हो गया, तब आपने दिखाया कि आप परमेश्वर थे। आपने दिखा दिया कि कौन स्वामी था। आपने पृथ्वी को हिला दिया, और संत लोग जो पृथ्वी में सोए हुए थे बाहर आ गए। आपने सूर्य को रात की कालिख में बदल दिया, रात के अंधकार के समान, दिखा रहे थे कि आप परमेश्वर थे। परंतु आप लंबे समय तक शांत रहे।

37 इससे हमने यह निष्कर्ष निकाला कि जब तक हम आत्मा में चल रहे हैं, परमेश्वर के हाथ के द्वारा अगवाई में हैं, कोई मतलब नहीं कि क्या गलत प्रतीत होता है तब भी हम कलवरी की ओर ताकते हैं; परमेश्वर सही घड़ी में बोलेगा, सही समय में।

38 अब, पिता परमेश्वर, हम अपने पापों की क्षमा मांगते हैं और अपने अपराधों की। हम आपके आत्मा को मार्गदर्शन के लिए मांगते हैं। हमारा मार्गदर्शन करें जैसे पिंडुकी मेमने का मार्गदर्शन करती है। चाहे हमें जो हो आओ हम आज्ञाकारी बने रहे, कि परमेश्वर सब अच्छा करता है, और जानते हैं कि यह सब ठीक हो जाएगा।

39 आज इस सेवा में हमारे साथ हो। हम प्रार्थना करते हैं कि आप उन्हें जो बचने की दशा में हैं आप बचाएंगे, और जो उद्धार की खोज कर रहे हैं। उन्हें अनंत जीवन से भर दे, जो ऐसी खोज में है। हम प्रार्थना करते हैं कि आप बीमारों और पीड़ितों को चंगा करेंगे, जो चंगाई की खोज में आए हैं।

और हम इसके लिए आपकी महिमा करते हैं। हम यह आपके पुत्र के नाम में मांगते हैं, हमारा बचाने वाला यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

40 इस प्रातः बोलते हुए हम आपका ध्यान इस मूल पाठ पर जो मैंने बोलने के लिए चुना है आकर्षित करना चाहता हूं: *उस दिन कलवरी पर।*

41 ऐसा प्रति होता है कि यह थोड़ा समय से हटकर है; यह तो गुड फ्राइडे पर होना चाहिए। कलवरी हर दिन स्मरण की जानी चाहिए। हमने इस विषय इतना सुना है इतना इस विषय में पढ़ा है। समय के आरंभ से प्रचारकों ने इस पर प्रचार किया है। गाने वालों ने युगों–युगों से इसे गाया है। भविष्यवक्ताओं ने चार हजार वर्ष पहले इसे घटित होने से पहले बता दिया था। और आज के भविष्यवक्ताओ ने पीछे संकेत किया जब यह घटित हुआ। यह एक ऐसा विशेष दिन है! यह उन सारे दिनों में से जो परमेश्वर ने पृथ्वी पर होने दिए उनमें से एक विशेष दिन है।

42 और यदि यह कलवरी मानव जाति के लिए इतनी विशेष है, मैं सोचता हूं कि हमारे लिए यह अच्छा होगा कि हम पीछे जाकर इसका निरीक्षण करें और देखें, कि इसका हमारे लिए क्या अर्थ है। क्योंकि मैं निश्चित हूं, इस अन्त की घड़ी जिसमें हम जी रहे हैं, हम परमेश्वर की हर विशेषता को खोज रहे हैं, जो हम जान सकते हैं। और वह सब जो हम पा सकते है, हम यह सीखने के लिए यहां पर हैं, कि देखें हमारे लिए क्या है, और देखें कि उसने हमारे लिए क्या करने की प्रतिज्ञा की है, और परमेश्वर ने हमारे लिए क्या किया है। और इसीलिए हम आराधनालय में आते हैं। इसीलिए प्रचारक प्रचार करता है, इसी कारण वह पवित्र वचन का अध्ययन और ध्यान करता है, और प्रेरणा के लिए खोजता है, क्योंकि वह परमेश्वर के लोगों का जन सेवक है। और वह कुछ ढूंढने का यत्न कर रहा है जो कि... जो कि परमेश्वर अपने लोगों से कहेगा, कुछ जिससे उनकी सहायता होगी। सम्भव है, यह उनके पापों में, उन्हें दोषी ठहराए, परंतु ऊपर उठने में उनकी सहायता करेगा, ताकि वे अपने पापों को छोड़ दें और फिर प्रभु की सेवा करने के लिए उठ खड़े हो। और सेवक गण को इन बातों की खोज करनी चाहिए।

43 और यह दिन, इतना विशेष है महान दिनों में से एक, एक हम इसमें तीन विभिन्न बातें देखें जो यह दिन हमारे लिए अर्थ रखता है। हम सैकड़ों ले सकते थे। परन्तु, इस प्रातः, मैंने तीन विभिन्न जबरदस्त बातें चुनी है

जिन्हें हम देखना चाहते हैं, अगले क्षणों में, कलवरी का हम से क्या मतलब है। और मैं प्रार्थना करता हूं कि हर पापी जो यहां उपस्थित है; उसे दोषी ठहराए और यह हर संत को उसके घुटनों पर ले आएगा; कि हर बीमार व्यक्ति का विश्वास परमेश्वर की ओर उठाएं, और चंगा होकर जाए; प्रत्येक पापी बचाया हुआ; हर पिछड़ा हुआ वापस आए, और स्वयं में लज्जित हो; और हर संत आनंद करें, और नई पकड़ और नई आशा पाए।

44 एक महान विशेष बात जो कलवरी हमारे लिए अर्थ रखती है, और संसार के लिए इसने पाप के प्रश्न को सदा के लिए तय कर दिया। मनुष्य पाप का दोषी पाया गया था। और पाप का दण्ड कोई मनुष्य नहीं चुका सका। दण्ड इतना महान था कि कोई भी इस दण्ड का भुगतान नहीं कर सका। मैं सही में विश्वास करता हूं कि परमेश्वर ने इसे ऐसे ही ठहराया, कि दण्ड इतना भारी हो कि मनुष्य इसका भुगतान ना कर सके, ताकि वह इसे स्वयं कर सके। अब, पाप का दण्ड मृत्यु है। और हम सब पाप में जन्मे अपराधों में पालन हुआ, संसार में झूठ बोलते हुए आए। इसलिए हम में से कोई भी योग्य न था, या, पृथ्वी पर कोई भी योग्य ना मिला।

45 और पाप पृथ्वी पर आरंभ नहीं हुआ। पाप स्वर्ग में आरम्भ हुआ। लुसी... था... लुसीफर, वह शैतान दोषी प्राणी था, आज्ञा उल्लंघन के कारण, इसके पहले उसने कभी भी पृथ्वी पर आक्रमण नहीं किया था। तो पाप स्वर्ग में आरंभ हुआ, जहां परमेश्वर ने स्वर्गदूतो को रखा था, और आदि–आदि, उसी आधार पर उसने मनुष्य जाति को रखा; ज्ञान, ज्ञान का पेड़, जीवन का पेड़ और ज्ञान का पेड़ जहां मनुष्य अपना चुनाव कर सकता है। और जब लुसीफर को अपने चुनाव का पूर्ण स्वामित्व दिया गया था, वह परमेश्वर से कुछ और अच्छा चाहता था। जिससे कि परेशानी आरंभ हो गयी।

46 और पाप की एक शर्त थी। मृत्यु शर्त थी। मृत्यु का दंड था। और, यह हम इसकी महान व्याख्या में जा सकते हैं मैं विश्वास नहीं करता कि है परंतु एक मृत्यु है। एक जीवन है। और मैं विश्वास करता हूं एक मनुष्य जिसके पास अनन्त जीवन है वह कभी भी नहीं मर सकता। मैं विश्वास करता हूं जो प्राण पाप करता है वह पूर्णता: समाप्त हो जाता है, क्योंकि बाईबल ने कहां है, "जो प्राण पाप करेगा, वह निश्चय ही मरेगा।" ना कि मनुष्य; "वह *प्राण* जो पाप करेगा।" इसलिए, शैतान की मृत्यु निश्चित है, पूर्णतः नष्ट हो गया। मैं कैसे विश्ववादों से सहमत नहीं हूं जो कहते हैं शैतान बचा लिया

जाएगा! उसने पाप किया, और वह पाप का स्रोत है। और उसके प्राण ने पाप किया; और वह एक आत्मा था। वह आत्मा पूर्णतः नष्ट हो जाएगी, कि उसमें से कुछ भी ना बचे।

47 और जब पाप ने वहाँ पीछे पृथ्वी पर काली चादर के समान आक्रमण किया, जो कि स्वर्ग से गिर रही थी, इसने यर्थात में पृथ्वी को अशक्त कर दिया। इसने पृथ्वी के हर जीव को फेंक दिया, और परमेश्वर की सारी सृष्टि को बंधुवा कर दिया। मनुष्य मृत्यु, बीमारी, परेशानी, दुःख के बंधन में था। सारी प्रकृति इसके साथ गिर गई। पाप अवचेतन करने वाला था जिसने पृथ्वी को वास्तव में अशक्त कर दिया। और तब हम यहां पर स्थिर किए गए, आशारहित, क्योंकि पृथ्वी का हर प्राणी इसकी अधीनता में था। और हर जो पृथ्वी पर जन्मा इसके अधीन था।

48 इसलिए, इसे किसी ऐसे स्थान से आना था जहां पर पाप ना था। यह पृथ्वी से नहीं आ सकता था। हम में से कोई दूसरे को नहीं छुड़ा सकता था। इसे तो कहीं ओर से आना था।

49 इसलिए, जब मनुष्य ने अनुभव किया कि वह अपने परमेश्वर से अलग हो गया है, तो वह भटकने वाला हो गया। वे रोए। वे चिल्लाए। उन्होंने संघर्ष किया। वे भटकते फिरे पहाड़ों और रेगिस्तानों में उस नगर को ढूंढते रहे हैं, जिसका रचने और बनाने वाला परमेश्वर था। क्योंकि वह जानता था कि यदि वह कभी परमेश्वर कि उपस्थिति में आएगा, तो वह इस पर उससे बातें कर सकेगा। परंतु वापस आने का कोई मार्ग नहीं था। वह भटक गया था। वह नहीं जानता था कि किस मार्ग पर जाएं, इसलिए उसने बस भटकना ही लिया वापस जाने का मार्ग ढूंढने का यत्न किया कि वही वापस पहुंचे। किसी चीज ने उसे अंदर से बताया कि वह एक—एक सिद्ध स्थान से आया है। यहां इस दिखने वाली भक्त मंडली में, आज प्रातः कोई मनुष्य नहीं है, या टेप सुनने वाली भक्त मंडली में, जहां यह समस्त संसार में जाएगा, वहां कोई भी नहीं था, या कहीं भी जो केवल सिद्धता को खोजता।

50 आप सोचते है कि आपने अपने कर्जो का भुगतान कर दिया है, "यह इसे तय करेगा।" जब आपने अपने कर्ज उतार दिए, तो फिर कोई आपके परिवार में बीमार पड़ गया। जब बीमारी ठीक हुई, तब तुम्हारे पास भुगतान करने को और देनदारी हो गई। पहली बात जो आप जानते हैं, कि आपके बाल सफेद हो रहे हैं, और तब आप फिर युवा होना चाहते हैं। और कुछ

है जो हर समय, निरंतर, और पाप कि तरंग के कारण। परन्तु आप अपने हृदय में, क्योंकि आप उसकी खोज में हैं, यह ये दर्शाता है कि कहीं शुद्धता है। कहीं, कोई चीज है।

51 यही कारण है कि बहुत सी बार, आज पापी अब भी भटक रहा है। एक सुंदर, युवा लड़की लोक प्रिय होने के लिए अपने बालों की लटो को काटती है; अपना चेहरा रंगती है, ताकि सुंदर दिखें; और अपने शारीरिक रूप को दिखाने के लिए कपड़े पहनती है। क्योंकि, केवल यही है जो वह ढूंढ सकी, कहीं कुछ ढूंढने का यत्न किया कि अपने आपे में वापस आ जाए, जब वह एक पुरुष से अपने ऊपर सीटी बजवाती है, वह उसे हाथ हिलाता है, उसे हाव–भाव दिखाता है। युवा लोग स्त्री के साथ यही करेंगे, ताकि वह उसे आकर्षित कर सकें। पड़ोसी अपना घर बनाएगा, उसे इस प्रकार से बनाएगा कि अपने पड़ोसी से अधिक अच्छा दिखाई पड़े। यह हर समय, हम कुछ कुछ ढूंढते रहते हैं, और कुछ इसके ऊपर चलता रहता है। एक युवा महिला दूसरी वाली महिला को अधिक लोकप्रिय पाती है। पड़ोसी देखता है कि एक घर उससे अधिक अच्छा दिखाई पड़ता है। एक महिला दूसरी को एक विशेष वेशभूषा में पाती है, वह उससे अधिक अच्छी दिखाई पड़ती है।

52 हम में कुछ है, जो किसी चीज को ढूंढ रहा है, और यह ये दर्शाता है कि हम खोए हुए हैं। हम कुछ ऐसा पाना चाहते हैं जो हमें उस संतुष्टि तक ले आएगा, वह अंदर की भूख को मिटा देगा, परंतु ऐसा प्रतीत होता है हम इसे नहीं पा सकते। मनुष्य जाति ने युगों से प्रयास किया है। वे इस के लिए रोए। वे चिल्लाए। और उन्होंने सब कुछ किया जो वे करना जानते थे, कि कैसे करें, तब भी वे नहीं ढूंढ पाए, सारे संसार में भटक रहे हैं।

53 अंत में, एक दिन, वह कलवरी का दिन था, एक था जो महिमा से उतर कर नीचे आया। जिसका नाम यीशु मसीह था, परमेश्वर का पुत्र, जो महिमा से आया, और कलवरी तैयार की गई। वह वह दिन था कि मूल्य का भुगतान किया गया, और पाप का प्रश्न सदा के लिए तय हो गया। और इस बात के लिए मार्ग खोल दिया जिसके लिए हम भूखे और प्यासे थे। यह संतोष के स्थान को ले आया। कोई मनुष्य नहीं है जो कभी किसी समय कलवरी पर गया हो, और उसे वैसे ही देखा हो, जिस प्रकार से वह थी, जो

सदा एक सी रह सकती है। हर चीज जिसकी उसने कभी इच्छा की हो या प्रतीक्षा की हो, मिल गई, जब वह उस स्थान पर पहुंचता है।

54 यह इतना विशेष दिन है, और ऐसी विशेष बात है, इसने संसार को हिला दिया। इसने संसार को इस प्रकार से हिलाया, जैसे कभी पहले नहीं हिलाया गया। जब यीशु कलवरी पर मरा और पाप के प्रश्न का भुगतान कर दिया, यह पाप भरा संसार अंधकार में था। सूर्य दिन के बीच में डूब गया, और एक अधीर दंडवत था। और चट्टानें हिली, पहाड़ फट गए, और मरी हुई देह कब्र से बाहर निकल आयी।

55 इसने क्या किया? परमेश्वर ने स्वयं को कलवरी पर शून्य कर दिया। उसने इस पशु को सदा के लिए घायल कर दिया, जो शैतान कहलाता है। और तब से वह और निर्दयी हो गया, क्योंकि ये मनुष्य जाति के लिए ज्योति लाया। और कोई भी जानता है कि घायल पशु निर्दयी हो जाता है और चारों, ओर अपनी टूटी कमर में खिचड़ता रहता है। अब, शैतान कलवरी पर हरा दिया गया था। पृथ्वी ने सिद्ध किया कि यह था।

56 महानतम मूल्य जो कभी भुगतान किया गया, केवल एक ही था जो भुगतान कर सका आकर कलवरी पर कर दिया। वहीं जहां महान मूल्य का भुगतान किया गया था। यही वे बातें है। जो परमेश्वर की मांग थी। कोई मनुष्य भी योग्य ना था। कोई व्यक्ति योग्य नहीं था। कोई मनुष्य इसे नहीं कर सका। और परमेश्वर स्वयं आया, और मनुष्य बन कर, और मानव इच्छा में, मानव जीवन को बिताया, और कलवरी पर क्रूस पर चढ़ाया गया। और वहां, जब शैतान ने सोचा वह यह नहीं करेगा, वह इसमें से होकर नहीं निकलेगा, वह गतसमनी में से होकर निकला और हर परीक्षा जिसमें होकर कोई भी मनुष्य कभी निकलता है। वह सब मनुष्यों के समान इसमें से होकर निकला, परंतु उसने मूल्य का भुगतान किया।

57 यही है जिसने पृथ्वी पर अंधकार फैला दिया। जैसे ऑपरेशन या शल्य चिकित्सा के लिए बेहोश करना। जब डॉक्टर एक मनुष्य को बेहोश की में लाता है, वह पहले उसे अवचेतन कर देता है, इससे पहले कि वह इसे कर सके। जब परमेश्वर ने उस—उस कलीसिया की शल्य चिकित्सा की, संसार को बेहोश कर दिया, प्रकृति को दौरे पड़े थे। कोई आश्चर्य नहीं! परमेश्वर मनुष्य की देह में मर रहा था। यही वह घड़ी थी जिसकी संसार प्रतीक्षा कर रहा था, अब भी बहुत से इसे नहीं जानते।

58 जैसा कि आज है, बहुत सोने इन बातों की प्रतीक्षा की, और तब भी वे उन्हें नहीं पहचानते। वे इसका अनुभव नहीं करते। वे अब भी आनन्द ढूंढने का यत्न कर रहे हैं, और संसार की चीजें अपना मार्ग ढूंढने का यत्न कर रहे हैं।

59 वहाँ बहुत सारे चिन्हों के स्थान थे, जिन्होंने जो उस दिन की ओर संकेत किया, बहुत सी महान पूर्व छायाये। ये मेमने और पशुओं के द्वारा, पंडुकियो के द्वारा इसकी पूर्व छाया आई थी, और ये सारी बातें, परंतु फिर भी ये भी ये इसे नहीं तोड़ सका। यह मृत्यु की पकड़ को तोड़ नहीं सका, जबकि पृथ्वी शैतान की थी।

60 वही चट्टानें जिन पर कभी वह चला, पृथ्वी पर ऊपर नीचे, गंधक जल रही थी! लुसीफर भोर का पुत्र था, और वह पृथ्वी पर चला जब यह ज्वालामुखी के समान जल रही थी। वही चट्टानें जो ठंडी हो गई थी, जब यीशु कलवरी पर मरा, पृथ्वी से बाहर उगला गया।

61 दाम का भुगतान किया गया, और शैतान के बंधन तोड़े गए थे। परमेश्वर ने इसे मनुष्य के हाथों में कर दिया, वही ले आया जिसकी वह प्रतीक्षा कर रहा था। उसे अब और नहीं रोना। प्रहार किया, उसने शैतान की रीढ़ की हड्डी तोड़ दी, वहां उस कलवरी पर पाप और बीमारी की रीढ़ की हड्डी! और यह हर मरणहार को पृथ्वी पर लाता है, वापस परमेश्वर की उपस्थिति में क्षमा किए गए, पापों के साथ। हाल्लेलुय्या! हमारे पाप क्षमा किए गए हैं। अब शैतान हमें परमेश्वर से अलग अंधकार में नहीं ले जा सकता।

62 वहां एक राजमार्ग बना है। वहाँ टेलीफोन है। एक संपर्क तार महिमा में, प्रत्येक को इस तार के पास पहुंच में लाता है। यदि एक मनुष्य पाप से भरा है, ये इसे केंद्र से जोड़ती है। उसकी इन पापों से क्षमा हो सकती है। केवल इतना ही नहीं, परंतु उस पाप का भुगतान कर दिया गया है। ओह! आपको यह नहीं कहना है, "मैं योग्य नहीं हूं।" निश्चय ही, आप नहीं है, आप कभी नहीं हो सकेंगे। परंतु योग्य ने आपका स्थान ले लिया। आप स्वतंत्र हैं। अब आपको और नहीं भटकना। आपको इस पृथ्वी पर सुख का खोजी मनुष्य नहीं होना है।

क्योंकि एक सोता लहू से भरा है,
जो इम्मेनुवेल की शिराओ में से बहता है,

जहां पापी उस बाड़ में गोता मारते हैं,
और अपने सारे दोष धो ले।

63 आप अब खोना नहीं है। वहां एक राजमार्ग है, और मार्ग है, और यह पवित्रताई का मार्ग कहलाता है। पापी इस पर से होकर नहीं चलने पाएंगे। क्योंकि, वह पहले उस सोते में से होकर आया है, और तब वह राजमार्ग पर प्रवेश करता है।

64 उसने शैतान की शक्तियों को तोड़ दिया है। उसने नर्क के कैदखाना के दरवाजों को खोल दिया, हर मनुष्य के लिए, जो इस पृथ्वी पर बंद था, कैदखानो में, भयभीत था कि जब वह मरेगा, तो मृत्यु उसके लिए क्या करेगी। कलवरी पर, उसने उसने उन कैदखानो के दरवाजे खोल दिया ताकि हर कैदी स्वतंत्र हो जाए। आपको अब पाप से और अधिक अंतर्द्वंद में नहीं जाना पड़ता। आपको अब और अधिक अपने शरीर के अंगों को उसे देना नहीं पड़ता, शराब पीना, धूम्रपान करना, जुआ खेलना, झूठ बोलना। आप ईमानदार हो सकते हैं, धर्मी और सीधे। और शैतान इस विषय में कुछ नहीं कर सकता, क्योंकि आपने वह रेखा पकड़ ली है, एक जीवन रेखा जिसका लंगर युगों की चट्टान में है। आपको इससे कोई नहीं हिला सकता। इसे कोई हवा नहीं हिला सकती। कोई नहीं, कुछ नहीं, ना की स्वयं मृत्यु भी हमें परमेश्वर के प्रेम से अलग नहीं कर सकती जो कि मसीह यीशु में है। कलवरी का यही अर्थ है।

65 मनुष्य जो बंधुवाई में थे स्वतंत्र हो गए। मनुष्य जो एक समय मृत्यु के भय में थे अब मृत्यु से नहीं डरते। एक मनुष्य जो उस नगर की प्रतीक्षा कर रहा था, जिसका बनाने और रचने वाला परमेश्वर है। वह राजमार्ग पर जा सकता है, और अपना मुख स्वर्ग की ओर रखता है, क्योंकि वह स्वतंत्र है। हाल्लेलुय्या! वह छुड़ा लिया गया है। उसे अब आवश्यकता नहीं है कि वह इधर–उधर भटके, क्योंकि अब यह जानने के लिए एक मार्ग कि आप गलत है या नहीं। परमेश्वर ने हमें जीवन दिया। हमारे पाप समाप्त हो चुके हैं। उस दिन कलवरी पर दाम चुका दिया गया है। जब हम यह सब देखते हैं, कोई आश्चर्य नहीं कि कवि ने लिखा:

बीच से फटी हुई चट्टानें और अंधकार भरा आकाश,
मेरे बचाने वाले ने अपना सिर झुकाया और मर गया;

खुले हुए पर्दे ने मार्ग दिखाया
स्वर्ग का आनंद और अनंत दिन।

66 अब्राहम को अब और नहीं भटकना राष्ट्र में, इधर–उधर एक नगर को ढूंढ रहा है। पापी को अब और नहीं भटकना है, चाहे वह बच सके या नहीं। बीमार व्यक्ति को इधर–उधर नहीं भटकना है चाहे वह चंगा हो सकता है या नहीं। वह खुला हुआ पर्दा, उस कलवरी के दिन संपूर्ण जय का मार्ग दर्शाता है। परमेश्वर अपने आत्मा की सामर्थ हमें देता है, कि इन सब बातों पर जय प्राप्त करते हुए जीए हम से केवल इसका विश्वास करने को कहता है। यह कलवरी के दिन में घटित हुआ। इस प्रकार का दिन कभी नहीं हुआ। ना ही ऐसा कभी होगा। अब इसकी आवश्यकता नहीं है। दाम चुकाया गया है हम छुड़ाएं गए हैं। परमेश्वर का धन्यवाद हो कि! हम छुड़ा लिए गए। अब आपको और नहीं भटकना है। अब और अनुमान नहीं लगाने हैं। यह सब ले लिया गया है। वह पर्दा वापस हटा दिया गया है, और हम राजमार्ग पर हैं, ताकि और इधर उधर ना भटके, परंतु केवल विश्वास करें और सीधे आगे बढ़ते रहें। हम सीधे परमेश्वर की उपस्थिति में जाते हैं।

67 अब्राहम और दूसरे जानते थे, जबकि वे नगर को ढूंढ़ रहे थे, वे जानते थे, कि वे कहीं से हैं। कुछ घटित हुआ। वे अशक्त पृथ्वी पर रह रहे थे। भूचाल आते हैं। तूफान आते हैं। लड़ाइयां हत्याएं! भेड़िया और मेमना एक दूसरे को खा रहे हैं, या भेड़िया मेमने को खाता है, सिंह बैल को खाता है। यह ठीक नहीं लगता। कुछ गड़बड़ है। वह जानता था कि कुछ गड़बड़ है। मनुष्य भाई को घात करता है; पिता पुत्र को और पुत्र पिता को घात करता है। कुछ गड़बड़ है। वह बूढ़ा हो रहा है। वह मर रहा है। वह कमजोर हो रहा है। उस पर बीमारी है। वह बंधुवाई में है। पेड़ बढ़ते है, परंतु अमर नहीं है। वे मर जाते हैं। पहाड़ बदल जाते हैं। समुद्र सूख जाते हैं। नदियां सूख जाती हैं। कुछ गड़बड़ है। और उसने एक स्थान ढूंढा, एक नगर जहां यह और घटित नहीं हुआ। वह जान गया, यदि वह वापस उसकी उपस्थिति में पहुंच जाएं वह जिसने से ठीक बनाया, वह इस विषय में उस से बातें कर सकेगा।

68 ओह, पापी क्या ही सौभाग्य यह है इस प्रातः कि जान ले कि अब तेरे पास मार्ग है। उस दिन कलवरी पर यह मार्ग खुल गया। क्योंकि सारे पूर्वजों ने खोजा और ढूंढ–ढांढ की, कलवरी ने आपको यह मुफ्त दिया है।

आप कैसे इसे छोड़ सकते हैं? आप इसे कैसे छोड़ देंगे, कि एक नामधारी संस्था के सदस्य बने? और कैसे इसे छोड़ देंगे कि इसके बदले में कुछ और ले, संसार का सुख? क्यों नहीं इसे स्वीकार करते? पर्दे का खुल जाना मनुष्य को पाप रहित करके परमेश्वर की उपस्थिति में वापस लाना है, किसी भी प्रकार का। और उसके सामने मार्ग खोलता है, उन चीजों के लिए जिन्हें वह ढूंढ रहा है: स्वर्ग, महिमा, शांति, अनन्त जीवन, हर चीज उसके सामने है।

69 वह दिन था उस—उस मृत्यु ने शैतान की सामर्थ को नष्ट कर दिया। इसने हर चीज का अंत कर दिया।

70 और मैं उसे वहाँ देख सकता हूं; वह अदन का मेमना था, पहली ही छाया में वह इसमें निकला।

71 जब हाबिल ने विश्वास के द्वारा परमेश्वर को कैन से उत्तम बलिदान चढ़ाया, उसने एक—एक अंगूर की दाखलता मेमने के गले में बांधी, उसे उस चट्टान तक घसीटता हुआ ले गया। अपने हाथ में एक—एक पत्थर लिया, बल्लम के लिए और उसका छोटा सा सिर पीछे खींचा, और उसे टुकड़े किया और काटा जब तक वह मर नहीं किया। और उसका ऊन उसी के लहू में भीगा। वह अपने ही लहू में लोटा। यह एक छाया थी।

72 परन्तु उस दिन कलवरी पर, वहां इस पृथ्वी का मेमना नहीं था, परंतु वह परमेश्वर का मेमना था, जो मर रहा था, अपने लहू में लोट रहा था। वह मारा, और घात किया गया, और पीटा गया, और उस पर थूका जोर से मारा गया, और थप्पड़ मारे और सब कुछ इस संसार के द्वारा, और उसकी लटो में से लहू टपक रहा था।

73 जब हाबिल का मेमना मर गया, वह मर गया, एक भाषा को बोलते हुए जिसे हाबिल समझ ना सका। वह चिल्ला रहा था।

74 और जब परमेश्वर का मेमना उस दिन कलवरी पर मरा, वह भाषा में बोला जिसे कोई नहीं समझ सका। "मेरे परमेश्वर, मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों छोड़ दिया?" यह परमेश्वर का मेमना था, वह टुकड़े–टुकड़े काटा गया, घात किया गया।

75 वह वही मेमना था जो हाबिल के विचारों में था, जब उसने स्त्री के प्रतिज्ञा के वंश को देखा। वह वह मेमना था जिसे दानिय्येल ने देखा, जो बिना हाथों के पहाड़ से खोदा गया। वह पहियो के बीच का पहिया था

भविष्यवक्ता के लिए। वह जो कुछ भी उन्होंने पहले से देखा, वहां उस दिन उस कलवरी के दिन मिला था। यह महान चीज भीतर लाया। जिसने शैतान की कमर को तोड़ दिया।

76 पहले, हमें ढूंढ़ना चाहिए उस दिन का क्या अर्थ है। दूसरा, हमें देखना चाहिए कि उस दिन ने हमारे लिए क्या किया है, अब, इसने हमारे लिए क्या किया। अब, तीसरा, हम देखें कि हमें उस दिन के लिए क्या करना चाहिए। हमें क्या करना चाहिए?

77 पहले, हमें इसमें देखना चाहिए, क्योंकि यह एक महान दिन है, सब दिनों से महान। पाप का मूल्य तय कर दिया गया था। शैतान की शक्ति तोड़ दी गई थी।

78 और अब हम यह देखना चाहते हैं कि हमें इसके बदले में क्या करना चाहिए। अब, बदले में, जब यीशु कलवरी पर मरा, उस दिन कलवरी पर, उसने केवल हमारे पापों का दाम ही नहीं चुकाया, परंतु उसने दाम भी चुकाया और एक मार्ग बनाया कि हम उसका अनुकरण कर सकें; क्योंकि हम, गिरे हुए आदम के समान थे जो कि छुड़ाए गए थे। जैसे कि आत्मा ने आदम कि अगवाई की (पहले आदम की) आत्मा के द्वारा उसके पास सारी प्रकृति का नियंत्रण था, तब हम (दूसरा आदम), या पृथ्वी का मनुष्य जो मसीह के द्वारा कलवरी के दिन छुड़ाया गया, उसके पीछे–पीछे जा सकता है। अब, जब वह कलवरी पर मरा, उसने एक मार्ग बनाया। उसने आत्मा दिया, पवित्र आत्मा जिसे उसने पृथ्वी पर वापस भेजा, जिसके द्वारा आप और मैं जीवित रहें। कलवरी का हमारे लिए यही अर्थ है, कि हम उसके पीछे–पीछे चले।

79 पहले इसमें देखे, देखे कि इसने हमारे लिए क्या किया है। और इस विषय में हमें क्या करना चाहिए? आपको और मुझे क्या करना चाहिए?

80 अब, हम कहते है, "अच्छा, मैं—मैं इसकी सराहना करता हूं। यह बहुत अच्छा है।" परंतु हमें इसे स्वीकार करना है। और इसे स्वीकार करने के लिए उसके व्यक्तित्व को स्वीकार करना है, मसीह को अपने हृदय में।

81 तब, हम पाप से स्वतंत्र हैं, तब हमारे ऊपर पाप की बेड़ियां लटकी हुई नहीं है, बिल्कुल नहीं, परमेश्वर, जैसे कि हमने कभी माफ नहीं किया, सिद्ध बलिदान ने हमें सिद्ध कर दिया। क्योंकि यीशु ने कहा, "सिद्ध बनो,

क्योंकि तुम्हारा पिता जो स्वर्ग में है वह भी सिद्ध है।" तब और कुछ नहीं करना, परंतु हम परमेश्वर की उपस्थिति में सिद्ध हैं।

82 अब, वहां जहां हम अपनी स्थिति खो देते हैं। हम ध्यान नहीं देते, हम पीछे मुड़ कर देखने का यत्न करते हैं कि हम क्या थे। और जब तक हम पीछे मुड़ कर देखने का यत्न करते हैं कि हम क्या थे, बलिदान का हमारे लिए कोई अर्थ नहीं है। ओह, कलीसिया क्या आप नहीं देख सकते? मैं नहीं... मैं इस कार्य के लिए प्रयत्न नहीं करूंगा। मैं नहीं कर सकता ना ही आप। प्रयत्न करने की कोई आवश्यकता नहीं है। जब तक आप यह देखें कि आपने क्या किया है तो आप आरम्भ से ही नष्ट हैं। परंतु आपने क्या किया है वह ना देखें।

83 देखें कि कलवरी के दिन ने आपके लिए क्या किया है। इसने आपके दाम को चुका दिया। और प्रश्न को तय कर दिया। "आपके पाप चाहे कितने भी अगरवाणी हो; वे हिम के समान श्वेत हैं। किरमजी के समान लाल हो; ऊन के समान श्वेत।" तब आप में कोई पाप नहीं। आप पूरी तरह से पाप रहित हैं। कोई मतलब नहीं कि आपने क्या किया है, आप फिर भी पाप रहित है। जब तक आपने यीशु मसीह को अपना बचाने वाला स्वीकार किया है, आपके पाप क्षमा है। कोई भी चीज जो *क्षमा की गई* "वह लौटा ले आना और भूल जाना।"

84 तब यह क्या करता है? इस स्थिति के बाद वह अपना पवित्र आत्मा आपको देता है कि आप उसका अनुकरण करें, और वैसे ही करें जैसा उसने किया उनके लिए जो पीछे आ रहे है। वह केवल एक मनुष्य था, सिद्ध मनुष्य। उसने अपना जीवन दिया, और वह आपके लिए एक आदर्श बना। अब हमें क्या करना चाहिए?

85 पहली, बात जो मैं कहना चाहता हूं, वह है, यीशु कभी भी अपने लिए नहीं जिया। उसका जीवन दूसरों के लिए हुआ। यह सिद्ध अनन्त जीवन है। जब आप कहते है कि आप कलीसिया में जाते हैं, आप अच्छे कार्य करते हैं, यह अच्छी बात है। परंतु जब आप अपना जीवन स्वयं के लिए जीते हैं, तो आप में अनन्त जीवन नहीं है। अनन्त जीवन, दूसरों के लिए जीना है। जब परमेश्वर के मेमने में आया उसने यह सिद्ध कर दिया। वह जीवित रहा, और उसमें अनन्त जीवन था, क्योंकि वह अपने लिए जीवित नहीं रहा। वह दूसरों के लिए जीवित रहा। और आप जब उस दिन को स्वीकार

करते हैं, आप अनंत जीवन पाते हैं, फिर आप अपने लिए नहीं जीते। आप दूसरों के लिए जीते हैं।

86 किसी ने कहा, "आप कैसे रुक सकते हैं जब आपको कोई बुरे नाम दें? " आप अपने लिए नहीं जीते। आप दूसरों के लिए जीते हैं, ताकि आप उस मनुष्य को छुड़ा ले। आप पुत्र बन जाते है। और परेशानी यह है कि कलीसिया भूल गई कि वे पुत्र थे। आप एक पुत्र है। आप मसीह का स्थान ले रहे है। आप पुत्र है, इसलिए अपने लिए ना जीए। दूसरों के लिए जीए।

87 "अच्छा, भाई ब्रंहम, मैं *इस* भाई के लिए जी सकता हूं, क्योंकि निश्चय ही वह एक भला मनुष्य है।" ये यह नहीं है।

88 उस व्यक्ति के लिए जीए जो आपसे घृणा करता है। उस व्यक्ति के लिए जीए जो यदि हो सके तो आपको मार दे। यही उन्होंने उसके साथ किया। उन्होंने उसे मार डाला, और वह मर गया, ताकि वह उन्हें बचा सके। यह अनन्त जीवन है। हमारे पास है यह आपके ह्रदय में है, तो फिर आपका मुख स्वर्ग की ओर है। परन्तु आप अपनी चीजो को बलिदान करते है, उन्हें दे दीजिए, जैसे भेड़ अपना ऊन देती है। आप कलवरी की ओर देखते रहे।

89 मैं आशा करता हूं कि यह आपको उस स्थान पर ले आएगा। यही आराधनालय है, यही सब लोग है जिन्हें यह करना है, की मालूम करें आप क्या है, और क्या उद्देश्य है। कलीसिया, इसलिए आराधनालय नहीं आती है कि संगीत बजाए गाने गाए। कलीसिया वह स्थान है जहां सुधार होता है। "न्याय परमेश्वर के घर से आरंभ होता है।"

90 "हमें अपने लिए मरा हुआ, और मसीह में जीवित होना चाहिए।" उसने मार्ग बनाया है कि हम स्वयं को उसकी सेवा के लिए बलिदान करें, कि उसके पीछे–पीछे चले। यदि हम उसके पीछे चलते हैं, तो हम उस जीवन को जीते हैं जो उसने जीया। यह आश्चर्यजनक है।

91 यीशु ने कहा, और इस विषय में बोला। मैं बस इस पर थोड़े से अवतरण दूंगा। ध्यान से सुनिए। इसे चूकिए मत। यीशु ने कहा, उस दिन वह लोगों को भेड़ और बकरी के समान अलग करेगा। और वह बकरियों से कहेगा, "बाये हाथ पर खड़े हो।" और भेड़, "दायें हाथ पर खड़े हो।"

92 और उसने बकरियों से कहा, "मुझ से दूर हो जाओ। क्योंकि, मैं भूखा था, और तुमने मुझे खाना ना खिलाया। मैं कैद खाने में था, और तुम मुझ

से मिलने नहीं आए। मैं नंगा था, और तुमने मुझे कपड़े नहीं पहनाए। मैं प्यासा था, तुमने मुझे पानी ना पिलाया। मैं बीमार था, और तुम मुझ से मिलने नहीं आए। सो, मुझ से दूर हो जाओ।"

93 और भेड़ो से उसने कहा, "मैं भूखा था, और तुमने मुझे खाना खिलाया। मैं नंगा था, तुमने मुझे कपड़े पहनाए। मैं बीमार था, और तुमने मेरी सेवा की।"

94 और ध्यान दे। कलीसिया इसे समझने में ना चूके। इसे अपने हृदय में रखें, सदा के लिए। यह इतने अनजाने में किया गया था कि! लोगों ने इसे कर्तव्य समझ कर नहीं किया। एक व्यक्ति ने आपको कुछ इसलिए दिया कि उसे यह करना चाहिए, एक व्यक्ति जो आपको खाना खिलाता है, क्योंकि उसे यह करना चाहिए, उसका उसमें अपने लाभ का विचार है। यह आपका जीवन होना चाहिए, आपका यह कार्य।

95 भेड़ के लिए यह इतना आश्चर्यजनक था, कि उन्होंने कहा, "कब, प्रभु आप भूखे थे? और हम आपको खाना नहीं खिलाएंगे... आप कब भूखे थे, और हमने आपको खाना खिलाया? आप कब नंगे थे, कि हमने वस्त्र पहनाए? आप कब प्यासे थे, कि आपको पानी पिलाया? आप कब बीमार थे, और आपकी सेवा की? "

96 यह तो अपने आप प्रेम से बस आपका जीवन उन में रहा। परमेश्वर लोग देखें कि कलवरी ने हमारे लिए, क्या किया इतने अपने आप से।

"प्रभु, आप कब थे? हमने कभी नहीं जाना।"

97 देखिए यीशु ने घूम कर क्या कहा, "तुमने मेरे इन छोटे से छोटों के संग किया, वह तुमने मेरे साथ किया।"

98 बिना स्वार्थ का; जीवन कोई दूसरा विचार नहीं। इस विषय में नहीं सोचते; परंतु आप संसार के लिए इतने मर गए हैं, और मसीह में इतने जीवित हैं, और राजमार्ग पर ऐसे चल रहे हैं, कि यह चीजें स्वतः ही हो गई। बस आपने कर दिया। यह नहीं कह रहे हैं, "अच्छा, अब, प्रभु, प्रभु चाहता है, कि मैं यह करूं।" ये ऐसा नहीं है। बस आप उसका भाग है। उसका आत्मा आपके ऊपर है, और आप उसी प्रकार से कार्य करते हैं जैसे उसने किए। ओह! समझे क्या।

99 "एक मार्ग ऐसा है जो मनुष्य को ठीक जान पड़ता है, परंतु उसके अंत में मृत्यु होती है।"

100 "वे सब नहीं जो, 'हे प्रभु, हे प्रभु,' कहते हैं प्रवेश करेंगे, परंतु वे जो मेरे पिता कि इच्छा पूरी करते हैं," अपने हृदय से, स्वतंत्रता से।

101 अब उस दिन कलवरी पर दाम चुका दिया गया, इसलिए हम वैसे ही हो सकते हैं।

102 ये नहीं कहते, "आप जानते हैं कि वह विधवा द्वार जॉन एक बार... उसके पास कोयला समाप्त हो गया था, मैं गया और मैंने उसे कोयला खरीद कर दिया। मैं आपको बताता हूं, मैंने देखा भाई को सूट की आवश्यकता है, और मैंने जाकर सूट का कपड़ा खरीदा और उसे दिया। प्रभु धन्य है! मैं मसीही हूं।" ओह, प्रभु! आप स्वार्थी, बेचारे निर्धन लोग। आप ढोंगी हैं।

103 "दायें हाथ को ना पता लगने दे कि बायां हाथ क्या कर रहा है, और ना बायें को पता लगे कि दायां क्या कर रहा है।" आप अपने आप से मसीह में इतने मर गए हैं, कि जो भी है आप करते हैं। यह आपका स्वभाव है। यह आपकी बनावट है। जो भी है आप यह करते हैं। यह तो आपके भीतर एक जीवन है जो जीता है। आप पूर्णतः उस आत्मा को समर्पित है, और यह स्वयं ही आप में जीवित है। ओह, आप उस धन्य आत्मा को अनुभव करते हैं, वह जीवन! "मैं नहीं जो जीता हूं," पौलुस ने कहा, "परंतु मसीह मुझ में जीता है," बस अपने आप से।

104 "अच्छा, भाई ब्रंहम मैं आपको बताता हूं, हम यहां पर मसीही है। हम *इन* लोगों की सहायता करते हैं। हम *इन* लोगों की सहायता करते हैं।" ओह, प्रभु! लज्जा की बात है। यह मसीहत नहीं है।

105 मसीहत तो स्वतः ही आती है। यह होना ही है। और आप सब कुछ भूल जाते हैं, "मैं नहीं हूं।" जाओ, इसे करो।

106 मसीह ने अपना सारा जीवन परमेश्वर को समर्पित कर दिया था। उसने स्वयं को एक जनसेवक की नाई दे दिया। उसने अपना जीवन मुफ्त दिया। उसे यह करना नहीं था। उसने एक कुड़ते हुए नहीं किया। उसने यह नहीं कहा, "अब, भाइयों, अब आप सबको इस विषय में सोचना चाहिए, क्योंकि मैं आप लोगों के लिए मरने आया हूं।" उसने इस विषय में कभी एक भी शब्द नहीं कहा। वह मर गया, क्योंकि परमेश्वर उसमें था।

107 यह परमेश्वर आप में है, यह परमेश्वर मुझ में है, जो हम एक दूसरे को देखते हैं। भेड़, एक ओर।

108 उन में से एक कहेगा, "अच्छा, प्रभु, मैंने *यह* किया। और, प्रभु मैंने *यह* किया।"

109 उसने कहा, "तुम अधर्म के कार्य करने वालों, मुझ से दूर हो जाओ। मैंने तो तुम्हें कभी नहीं जाना।"

110 यदि कलीसिया इन आधार भूत बातों पर आ सकती है, कि यह वह नहीं है जो आप करने का यत्न करते हैं, आप स्वयं से यह करते हैं। यह कुछ है जो आपके भीतर जन्मा है।

111 मेरे पेंटीकोस्टल मित्रों, मुझे क्षमा करना। मैं पेंटीकोस्टल हूं। परंतु मेरे पेंटीकोस्टल भाई एक ऐसे स्थान पर आ गए हैं, जहां एक—एक बहुत सारा तेज संगीत होना ही चाहिए, कुछ ढोल बज रहे हो, या तालियां बज रही है, या खंजड़ी की चिल्लाहट उत्पन्न करें। यह केवल भाववेश है। युद्ध में जाने से पहले वे ढोल बजाते हैं। वे लोगों को युद्ध के आवेश में ले आते हैं। मैं संगीत में विश्वास करता हूं। मैं ताली बजाने में विश्वास करता हूं। परंतु मैं इन बातों में विश्वास करता हूं। यह बिल्कुल सत्य है। हमें यह करना ही चाहिए।

112 परंतु आपने एक महान चीज बिना किए छोड़ दी, वह स्वयं को बलिदान किया हुआ जीवन कि परमेश्वर आप में जीवित है, जो ठीक है आप अपने आप से ही करते हैं क्योंकि यह ठीक है। बस बढ़ रहे हैं, इस विषय में कुछ भी नहीं सोचते। बस इसे जी रहे हैं। तब आप देखिए, कि क्या घटित हो रहा है। आप केवल... आप नहीं करते... आप राजमार्ग पर चल रहे हैं। कलवरी ने आपके लिए यही किया है, उस राजमार्ग पर उस दिन आपके लिए खुल गया।

113 अब, अब स्मरण रखे कि आप आधी बकरी और आधी भेड़ नहीं हो सकते। वे मिलेंगे नहीं।

114 अब, बहुत सारे लोग हैं जो कहते हैं, "हां, आप जानते हैं क्या? हमारे झुंड में एक ऐसी संस्था है। हम, हम निर्धनों की सहायता करते हैं। हम *यह* करते हैं।" यह ठीक बात है, परंतु इस विषय में आपका अपना भोपू स्वयं बजा रहे है। आप यह ना करें।

115 "आप अपना नाम गुप्त में दे," यीशु ने कहा। बस स्वतः ही कुछ नहीं होता है, इससे अधिक नहीं कि आप जाकर पीने का पानी ला रहे हैं। आप प्यासे हैं। यदि दूसरा आदमी प्यासा है, आप उसके विषय में भी सोचते हैं।

कि अगले व्यक्ति को भी आवश्यकता है आप जैसे अपनी आवश्यकता को सोचते हैं वैसे ही दूसरे की भी। और इस पर ध्यान नहीं देते। बस जीवन व्यतीत करते हैं।

अब, आप आधी बकरी और आधी भेड़ नहीं हो सकते।

116 इसलिए यदि आप कहते है, "तो, हमारी कलीसिया में एक संस्था है। हम निर्धनों को देते हैं, और हम *यह* करते हैं, और *वह* करते हैं, और *वह* करते हैं।"

117 यदि आपमें यह दूसरों को छोड़ कर रहे हैं, तो फिर मसीह का जीवन आप में हैं, आप तो इसे बिल्कुल ही बेकार में कर रहे हैं। यीशु... पौलुस ने कहा, पहला कुरुन्थियो 13, "यदि मैं अपना सब कुछ कंगालों को खिला दूं, और अपनी देह बलिदान में जलाने को दे दूं, तो मुझे कोई लाभ नहीं।"

118 अब यह कठिन है, परंतु सत्य है। आपको इस वास्तविकता पर आना ही होगा, पहचाने की कलवरी ने आपके लिए क्या किया है। हम इसकी ओर देख कर कहते है, "ओह, हां, यह बहुत अच्छा है।" यह ऐसा नहीं है। यदि परमेश्वर का वह पुत्र उसे कलवरी पर क्रूस पर चढ़ने के लिए जाना पड़ा, तो हर पुत्र जो आता है उसे कलवरी पर जाना चाहिए। उसके पास भी कलवरी होनी चाहिए। आपके पास भी कलवरी का दिन होना चाहिए। मुझे भी वही कलवरी का दिन लेना है। यह पाप के प्रश्न को तय कर देता है। केवल प्रचारक से हाथ मिलाना नहीं; ना ही कलीसिया में हाथ मिलाना; ना ही पत्र के द्वारा आना; ना ही धंधे के द्वारा आना। परंतु नया जन्म लेने के द्वारा आना। उसने कभी भी पत्र नहीं दिया। उसने कभी भी धंधा नहीं दिया। उसने जन्म दिया। इसी प्रकार से हम भीतर आते है। तब, उससे हम स्वतः ही मसीही जीवन जीते है।

119 अब, एक और टिप्पणी। आधी बकरी, आधी भेड़, उनमें ऐसा कुछ नहीं होता। आप या तो बकरी या तो भेड़ है। आप आधी बकरी आधी भेड़ नहीं है। आप या तो बकरी है या भेड़ हैं।

120 अब, यदि आप केवल अच्छी बात है कह रहे हैं, और सोचते हैं कि आप इनके द्वारा प्रवेश कर सकते हैं, तो फिर आपके जीवन में कलवरी का दिन नहीं होगा। व्यवस्था ने यह दिया है। परंतु, कलवरी के दिन को लेने से उसे अपने अन्दर लिया था, ताकि हम केवल कलीसिया के सदस्य ही न बन सके, परन्तु परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियों हो जाएं। यही वह कलवरी

का दिन है। इसका आपके लिए यही अर्थ है, ताकि आप कर सके, और अनुकरण करें, और यीशु के समान व्यवहार करें।

121 अब, नदी एक ही समय में ऊपर और नीचे नहीं बहती। नदी केवल एक ओर ही बहती है। और परमेश्वर का आत्मा केवल एक ही ओर चलता है। यह अपने साथ चीजों की मिलावट नहीं करता। एक ही प्रकार से चलता है।

122 यीशु पर ध्यान दे, समाप्त कर रहा हूं। यीशु ने कहा, "जो कार्य मैं करता हूं, तुम भी करोगे, तुम इससे भी बड़े कार्य करोगे, क्योंकि मैं अपने पिता के पास जाता हूं।"

123 मैं यहां कलीसिया से अधिक नहीं कह रहा हूं। आप समझे। परंतु ये संदेश टेप हो गए हैं। दसियों हजार समस्त संसार में, इसे सुनेंगे।

124 अभी मैं आलोचकों को उस प्रश्न का उत्तर देने जा रहा हूं। मैं अक्सर... कहता हूं, मैंने बताया। वे कहते हैं, "आप क्यों बाईबल पर विश्वास करते हो? यीशु ने कहा, 'यह काम जो मैं करता हूं, तुम भी करोगे, और इससे भी बड़े तुम करोगे, क्योंकि मैं अपने पिता के पास जाता हूं।"'

125 कितना बुरा आप आ सकते हैं, श्रीमान? ह्रदय के विचारों को जांचने से आप कितनी दूर जा सकते हैं, अपने ज्ञान और धर्म विज्ञान से, अपने विचारों को किसी भी विचारधारा से? मेरे शिष्ट और खोए हुए मित्र, क्या आप समझ नहीं सकते है कि यह बाईबल आत्मिकता से अनुवादित हैं?

126 यीशु ने पिता का धन्यवाद किया कि उसने इसे पढ़े लिखे, और चालकों, और बुद्धिमान, और दुनियादारों से छिपा लिया, और बालकों पर प्रकट करेगा, जो भी कलवरी के पास आएगा।

127 अब ध्यान दे। यीशु ने कहा। ध्यान दें उसने इसे कैसे कहा। "वे कार्य जो मैं करता हूं," वह उन्हें इस समय भी कर रहा है। "वे कार्य जो मैं अब कर रहा हूं, बीमारों को चंगा करना मरे हुए को जीवित करना, अंधों की आंखें खोलना, इन कामों को तुम भी करोगे। यदि तुम मुझ में विश्वास करोगे तो तुम भी ये करोगे। आप इन कार्यों को करते हैं। और तब इस से बढ़कर तुम करोगे, क्योंकि मैं अपने पिता के पास जाता हूं।"

128 "थोड़ी देर बाद, और संसार मुझे अब और ना देखेगा, तो भी तुम मुझे देखोगे। मैं तुम्हारे साथ होऊंगा, और तुम्हारे अंदर होऊंगा, संसार के अंत तक। मैं तुम्हें अशांति में ना छोड़ूंगा। मैं पिता से प्रार्थना करूंगा; वह तुम्हें

एक और सहायक देगा, जो कि पवित्र आत्मा है, जिसे संसार ग्रहण नहीं कर सकता; तो भी, तुम उसे ग्रहण कर सकते हो।"

129 अब ध्यान दे। "बड़े–बड़े" कार्य, कलीसिया में सामर्थ होनी थी, केवल बीमारों को प्रार्थना से चंगा करना नहीं, प्रार्थना से प्रेत आत्मा को निकालना, परंतु विश्वासियों को अनंत जीवन प्रदान करना। पवित्र आत्मा आ रहा था, और कलीसिया के हाथों में दिया गया, ताकि जीवन को प्रदान करें। ओह! कलवरी का यही अर्थ है। इतने नीचे गिरे, निम्न श्रेणी को पुरुषों और महिलाओं को लिया, और उन्हें परमेश्वर के पुत्र और पुत्री होने के स्थान तक उठाया, ताकि बीमारों को चंगा करें और अनंत जीवन को प्रदान करें; आज्ञाकारी विश्वावासियों को पवित्र आत्मा देने के द्वारा, मनुष्य एक समय जो अविश्वासी थे, विश्वासी बन गए, और अनंत आत्मिक जीवन के भागी हो गए।

130 ये कितने महान हैं: कहने के लिए, "यह बीमार महिला यहां लेटी है, मैं विश्वास की प्रार्थना कर सकता हूं, वह चंगी हो जाएगी," यह महान बात है, यह वह उस समय कर रहा था; "परंतु," कहां, "इससे महान करोगे; मैं तुम्हें सामर्थ्य देने वाला हूं, उसे केवल थोड़े समय के लिए उठाना नहीं, परंतु उसे अनंत जीवन देना, जो कि सदा के लिए होगा।"

131 निर्धन, अंधे, कंगाल लोग, आप इसमें कैसे चुक सकते हैं? क्या आप नहीं देख सकते हैं कि "महान" चीज क्या है? यही महान बात जो कभी घटी लोगों को अनंत जीवन का भागी बनाना। अनंत जीवन क्या है? वह जीवन जो उसने जीया, वह जीवन जो उसमें था, दूसरों को प्रदान करना। क्या एक मनुष्य यह कर सकता है? परमेश्वर का एक पुत्र कर सकता है।

132 यीशु ने कहा, "जिनके भी पाप तुम क्षमा करोगे, उनके क्षमा होंगे; जिनके पाप तुम रखो, उनके रखे जाएंगे।"

133 अब यहां पर ही कैथोलिक कलीसिया और बहुतो ने बड़ी गलती की है। और कहां, "मैं तुम्हारे पाप क्षमा करता हूं।" यह ऐसा नहीं था।

134 बाईबल में उन्होंने कैसे पाप क्षमा किए? पतरस ने इस प्रश्न का उत्तर दिया है, पेंटीकोस्ट के दिन। उन्होंने कहा, "बचने के लिए हम क्या करें? आप सब के पास जो है हम उसे कैसे प्राप्त करें? " उसने नुस्खा बता दिया। उसने उन्हें बताया कि क्या करना है।

135 उसने कहा, "तुम में से प्रत्येक परमेश्वर की ओर प्रायश्चित करें, और यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा ले।" किसलिए? अपने–अपने पापों कि क्षमा के लिए। ये "बड़े–बड़े" काम है।

136 इस प्रातः, आप में से कितने प्रचारक, कितने, आप जो टेप पर है मेरे शब्द सुने, क्या आप इस प्रातः कलवरी पर जाने की इच्छा करते है? और देखिए कि परमेश्वर ने आपके लिए क्या किया है। और अपने नामधारी के मतसार को छोड़ दें, और सुसमाचार प्रचार करें। हाल्लेलुय्या! अब यह आपके ऊपर है। आप इसके साथ क्या करने जा रहे हैं?

137 "क्योंकि प्रायश्चित और पापों की क्षमा उसी के नाम से सारे संसार में प्रचार किया जाएगा, यरूशलेम से आरंभ करके।" हाल्लेलुय्या! महिमा हो! आप इसी स्थान पर हैं।

138 कलवरी का आपके लिए क्या अर्थ है? वह दिन आपके लिए क्या करेगा? क्या इसने आपको किसी धर्म विज्ञान से भर दिया है? क्या आपको इसने अकड़ से भर दिया है? या क्या इसने आपको मसीही बना दिया है, बिक गए? हाल्लेलुय्या!

139 पाप, क्षमा कर दिए! "तुम इससे भी बड़े–बड़े काम करोगे।" आप देखते है कि "आप" लोग कौन हैं, क्या आप नहीं देखते? "इससे बड़े कार्य," पापों की क्षमा, यीशु मसीह के नाम में।

140 परंतु मतसारो और नामधारियों से, और आदि–आदि, इसने आपको एक ही स्थान पर बांध दिया, आप अब भी संसार की सेवा कर रहे हैं। मुझे कोई भी पुरुष, या स्त्री बताएं जो कलवरी के पास आ सकता हो और कोई बड़ा बनने का प्रयत्न करें क्योंकि किसी ने कुछ कहा है। मुझे बताए कहां आप कलवरी के मुख की ओर देख सकते हैं, सही उजियाले में, उस दिन कलवरी में। आप कैसे अपने दिन को कलवरी पर घमंड के साथ ले सकते हैं? आप कैसे एक संस्था के लिए कठपुतली बन कर आ सकते हैं, और मनुष्य की शिक्षाओं को प्रचार कर सकते हैं? यह क्यों नहीं आपको परमेश्वर के वचन के लिए नम्र नहीं बनाता? यदि कभी भी वहां जाएं, तो आप नम्र बन कर आएंगे। क्या आप कैसे अपनी संस्था में कोई बड़ा बनना चाहेंगे, अपनी टोपी में पंख लगा कर, जबकि परमेश्वर के पुत्र यीशु मसीह ने स्वयं को नम्र किया एक कटी पीटी देह के साथ, थुके गए मुंह के साथ, जब तक की लज्जा, अनुग्रह रहित नहीं हो गया? और उन्होंने उसके कपड़े

उतार दिए, और संसार के सामने क्रूस पर चढ़ा दिया। "लज्जा को भी तुच्छ कर दिया।" कैसे आप कलवरी पर जाकर और उससे भिन्न होकर वापस आ सकते हैं जैसा वह था, कलंक, एक लज्जा?

"ओह," आप कहते हैं, "वे मुझे लात मार कर निकाल देंगे।" उन्हें लात मारने दो।

141 अपना दिन कलवरी पर ले, परमेश्वर अपना मार्ग आपके संग लेगा। मैं इसे फिर से दोहराऊं। अपना दिन कलवरी पर ले, परमेश्वर अपना मार्ग आपके संग लेगा।

हम प्रार्थना करें।

142 प्रभु, ओह परमेश्वर, अब हम सबको कलवरी के पास ले चल। हम अपने से अलग हो जाएं, प्रभु, मनुष्य का भय है, इस बात का भय कि कौन क्या कहने जा रहा है। क्यों, सारा संसार उस पर हंसता है, उसका उपहास उड़ाता है। परंतु वह मृत्यु तक आज्ञाकारी रहा। वह तुच्छ होने तक आज्ञाकारी रहा। वह संघ सरकार की अधीनता में भी आज्ञाकारी रहा।

143 हम अनुभव करते हैं कि जब शैतान ने इस पृथ्वी पर आक्रमण किया, तो वह इस पृथ्वी पर शासक और अधिकारी था। इस बात की गवाही उसने प्रभु के सामने दी, और कहा, "ये राज्य मेरे हैं। मैं जो चाहूं यहां करता हूं।" और हम अनुभव करते हैं, कि उस दिन से आज तक यह संसार श्राप में पाया जाता है, यह उसी के द्वारा शासित किया गया जिसने इसे शापित किया।

परंतु, परमेश्वर, हे परमेश्वर हम एक राज्य की सेवा करते हैं जो कि शापित नहीं है।

144 पिता परमेश्वर, यह कितना शानदार है, कि आपने यही महान बातें आज चल चित्र संसार में—में की। और इस महान चल चित्रों को जैसे *टेन कमांडमेंट्स,* और आदि आए हैं, ताकि पुरुष और स्त्रियां देखें, वे किसी भी कलीसिया के द्वारा अंधकारमय नहीं करेंगे, परंतु उन्हें देखने दे कि यह क्या है। संसार के द्वारा, परमेश्वर का मार्ग अस्वीकार किया गया। क्योंकि हम ऐसे हैं... हम साम्यवाद के अधीन रूस जाते हैं।

145 हम इस संसार में हैं, परंतु हम इस संसार के नहीं। हम कलवरी पर चले गए। हमने परमेश्वर के राज्य के लिए स्वयं को क्रूस पर चढ़ा दिया कि

उसके हो जाएं। कोई मतलब नहीं कि संसार क्या कहता है, हमने तो प्रभु के थोड़े से ठुकराए हुओं के संग अपना मार्ग ले लिया है। हम पुनरुत्थान में बढ़ रहे हैं, और हम विश्वास करते हैं कि जल्द ही यह आ रहा है, प्रभु, जब तक हम पुनरुत्थान में आकर इस राज्य को नहीं ले लेंगे जो कि इस संसार को ले लेगा। जैसा कि डेनियल ने इसे पहले से देखा, और उसने सारे संसार को भूसा बना दिया, और हवाओं उसे उड़ा कर ले गई जैसे गर्मियों में भूसा निकालने का स्थान। परंतु पहाड़, वह पत्थर एक महान पर्वत में बदल गया जिसने सारे संसार को ढाक लिया। वह पत्थर आएगा। ओह परमेश्वर, हम उसका भाग होना चाहते हैं। हम अपना इनकार करके, रोज अपना क्रूस उठाएं और मसीह के लिए जीवित रहें, दूसरों के लिए जीवित रहें। प्रभु इसे प्रदान करें।

146 यहां इस प्रातः कुछ लोग हैं, और वे उसे बचाने वाले के समान नहीं जानते, और चाहते हैं कि समाप्त करते हुए प्रार्थना में स्मरण किए जाएं, और आज के दिन को अपना कलवरी के दिन के समान चाहेंगे, क्या आप अपने हाथ उठाएंगे, और कहते हैं, "भाई ब्रंहम, मेरे लिए प्रार्थना करें। मैं उसको अपना बचाने वाला करके जानना चाहता हूं।" तुम युवाओं, परमेश्वर आपको आशीषित करें। कोई और है? परमेश्वर आपको आशीष दे, मेरे भाई पीछे वहां।

147 क्या कोई और होगा? जो कहे, "मैं उसे जानना चाहता हूं। आज के दिन को मैं इसे अपना कलवरी का दिन चाहता हूं। मैं बीमार थका हुआ हूं। उसका क्या लाभ मैं उसी साधारण सी बात को लेकर यहीं घूमता रहूं जिसे करने के लिए मैं जन्मा हूं? मैं परमेश्वर का पुत्र होकर जन्मने के लिए जन्मा हूं और मैंने संसार की चीजों को पकड़ रखा है। परमेश्वर, मुझे आज क्रूस पर चढ़ने दे। आज मुझे मुझ स्वयं को और मेरे विचारों को क्रूस पर चढ़ने दें, ताकि मैं मसीह के संग जी सकूं, और दूसरे के लिए जीऊं। कोई मतलब नहीं वे मेरे साथ क्या करते हैं, यदि वे मेरा उपहास उड़ाते हैं, और मुझे तंग करते हैं और मेरे लिए बुरा कहते हैं, और बातें मैं नम्रता के साथ–साथ चलता रहूं, और मेमने के समान नम्र जैसा उसने किया। और किसी दिन, उसने मुझे जिला उठा देने की प्रतिज्ञा की है, अंतिम दिन। मैं उस दिन की प्रतीक्षा कर रहा हूं।" क्या किसी और का हाथ उठेगा? वहां पीछे परमेश्वर आपको आशीष दे, और आपको। ठीक है। कुछ और... परमेश्वर

आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। कुछ और, इसके पहले कि हम प्रार्थना करें।

148 हमारे स्वर्गीय पिता, यह कहा गया था, जब पतरस ने पेंटीकोस्ट पर प्रचार किया, "जितनो ने विश्वास किया वे कलीसिया में मिलाए गए।" उन्होंने अपने पूरे हृदयो से सच्चाई से विश्वास किया। ये लोग जिन्होंने अपने हाथ उठाए हैं, मैं विश्वास करता हूं कि इन्होंने अपने संपूर्ण हृदय से विश्वास किया। और यदि इन्होंने किया है, तो यहाँ पर पानी का तालाब उनकी प्रतीक्षा कर रहा है। वे चाहते हैं वे पाप क्षमा हो जाए। यहां कोई है जो इनको नाम में बपतिस्मा दे सकता है, और केवल एक ही नाम है जो स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में दिया गया है, कि हम बच जाएं।

149 क्योंकि, जैसा कि मैंने कुछ समय पहले पवित्र वचन को दोहराया, कि, "प्रायश्चित और पाप की क्षमा उसी के नाम से है सारे संसार में यरूशलेम से आरंभ होकर।" और यरूशलेम में, जब प्राश्चित और पापों की क्षमा प्रचारी गई थी, चेलों ने उन्हें पवित्र वचन बताएं, और कहा, "पहले, उन्हें प्रायश्चित करना चाहिए और तब यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा ले।" प्रचारकों के पास यही कार्य करने के लिए था। उनके लिए कि प्रायश्चित करें, और उसे उन्हें उनके पापों की क्षमा के लिए बपतिस्मा देना। "जिनके पाप तुम क्षमा करो, उनके क्षमा किए जाएंगे; जिनके पाप तुम रखो, उनके रखे जाएंगे।"

150 पिता, कैसे कभी यह संसार अपने बुरे स्वभाव से जैसे उनमें है हटा? क्यों नहीं साधारण सुसमाचार का विश्वास करते हैं? और वे इसके के लिए भीतर भी लाते हैं, उस अनुकल्प के; झूठे नामों के लिए, झूठा बपतिस्मा, झूठी पवित्र आत्मा के बपतिस्मे, सेवकों से हाथ मिलाना, पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा के उपनामो से झूठा बपतिस्मा देना, जो कि पवित्र वचन में कहीं नहीं है; रोमी मनुष्यों के द्वारा दस्तावेज बनाए गए, बाईबल में कहीं भी मसीही शिक्षा नहीं है। पापों की क्षमा उपनामों से नहीं हो सकती, केवल यीशु मसीह के नाम के द्वारा।

151 अब, पिता, हम जानते हैं कि यह लोकप्रिय नहीं हैं। आपके मार्ग सदा इसी प्रकार के रहे हैं। परंतु इस प्रातः पुरुष और स्त्रियां, उस दिन पर आए है, उस दिन कलवरी पर। जहां यीशु का उस दिन तिरस्कार किया, वह लज्जा उसको नंगा किया, ताकि टुकड़ों में काटा जाए, उस पर थूका जाए,

और उसका उपहास उड़ाया जाए; सारे संसार के द्वारा, कलीसिया के द्वारा, लोगों के द्वारा जिन्हें उसे प्रेम करना चाहिए था। और, तब भी, इस सब में उसने अपना मुंह नहीं खोला, और उन लोगों के लिए जाकर मर गया उन लोगों के लिए जो उसका उपहास उड़ा रहे थे।

152 परमेश्वर, इस प्रातः हमें कलवरी पर ले चले। और यदि वे कहते हैं, हम पागल हैं, वे कहते हैं हमारे पास एक गलत वचन है, वे जो भी कहना चाहते हैं, परमेश्वर, वे परमेश्वर की उपस्थिति में खड़े नहीं हो सकते और कहते हैं यह गलत है।

वे बाईबल से अपने पाप नहीं ढांप सकते। बाईबल उनके पापों को: उनके अविश्वास को उजागर करती है; लोकप्रिय होने के लिए; बाकी भीड़ के समान होने के लिए। इस प्रातः उन्हें कलवरी के पास आने दो।

153 "और यरूशलेम से आरम्भ करके; वह प्राश्चित और पापों की क्षमा उसके नाम में होनी है, सारे राष्ट्रों में, यरूशलेम से आरंभ करके

उन्हें उन्हीं क्रूस पर चढ़े हुए कदमों को लेने दे टुकड़े होने के लिए; थूके जाने के लिए; और हंसी उड़वाने के लिए और जो भी कहलाए जा सके कहलाए, धर्म त्याग वालों की पंक्ति में; कलीसियाओ द्वारा सताए हुए; सब जो वे कहना चाहते हैं,

प्रभु, इस प्रातः हो, हम अपना मार्ग प्रभु के थोड़े से ठुकराए हुओं के संग ले। हम वैसे ही चले जैसे चेले चले थे, ना तो दाएं या बाएं मुडे, और अपने हृदय की अच्छाई से परमेश्वर की सेवा करें। पिता, इसे प्रदान करें।

154 अब, बीमारों और दुखियों को चंगा करें जो प्रार्थना की पंक्ति में आ रहे हैं। होने पाए जिन्होंने अपने हाथ उठाएं हैं, वे अपने हृदयो में अभी प्रायश्चित करें। वे जो पीछे खड़े हैं इतनी देर से तुरंत पानी पर जाएं और अपने पापों से क्षमा पाएं बलिदान के नाम पर, यीशु मसीह, परमेश्वर का पुत्र। आमीन।

नीचे क्रूस पर जहां मेरा उद्धारकर्ता मरा,
पाप से शुद्धिकरण के लिए मैं वहाँ पर रोया;
वही मेरे हृदय पर लहू लगाया गया था;
उसकी महिमा हो...

उसके नाम की महिमा हो!
ओह, उसके नाम को महिमा मिले!
ओह, वहां मेरे ह्रदय में लहू लगाया गया था;
उसके नाम की महिमा हो!

मैं बहुत ही आश्चर्यजनक ढंग से पाप से बचाया गया,
(कैसे?)
यीशु बहुत मधुरता से भीतर रहता है,
वहाँ क्रूस पर जहाँ पर वह था... (उनमें से एक बनो।)... में;
ओह, उसके नाम को महिमा मिले!

उसके नाम की महिमा हो!
उसके नाम की महिमा हो! (बहुमूल्य नाम!)
ओह वहां... ह्रदय पर लहू लगाया गया था;
उसकी महिमा हो...

155 क्या यह आपके लिए कुछ नहीं करता? बस आपको साफ़ करता है। आपमें एक आशा को डालता है: जीवन, अनंत जीवन।

156 "मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया" क्या होता है? ये दूसरों के लिए जीना होता है। दूसरे किस तरह के? वे जो आपसे नफरत करते हैं, जो आपको पसंद नहीं करते, जो आपका मज़ाक उड़ाते हैं: उनके लिए जीना; उनके साथ होना; उन्हें प्रेम करना; "उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जो मेरे नाम के कारण आपका अनादरपूर्वक उपयोग करते हैं, सब प्रकार की झूठी बुराई करते हैं। उन्होंने उन भविष्यव्यक्ताओ को भी सताया जो तुमसे पहले थे।"

157 मैंने सोचा कि संदेश शायद आज सुबह कलीसिया की मदद करेगा, कि आप देखेंगे कि हमें कलवरी की आवश्यकता है, हमें क्रूस पर चढ़ाये जाने की आवश्यकता है।

158 अब यह सब क्यों किया गया है? यह सब भुगतान के लिए किया गया है व्हीलचेयर पर बैठी बहन, यहां बीमार और पीड़ित लोगों के लिए: यह सब भुगतान किया गया है; आपको केवल जिस चीज को करना है कि विश्वास करे कि यह आपका है; इसे उसी प्रकार स्वीकार करो, और आप चंगे हो जाओगे।

159 याद रखें: अब यह क्या है? आप संसार में जा सकते हैं, सुसमाचार का प्रचार कर सकते हैं, बीमारों को चंगा कर सकते हैं; और अनन्त जीवन का समाचार पहुंचा सकते है।

यह कितना बढकर होगा: यहाँ एक मनुष्य लेटा हुआ है ट्यूमर, कैंसर के साथ—साथ चाहे जो कुछ भी हो। (हमने उसे कई बार उसकी आशीष को देते और पुरुष को चंगा करते, महिला को ठीक करते देखा है; दुनिया भर में हज़ारों गुना हज़ारों अचूक मामले, देखो, उन्हें खाटों, स्ट्रेचरों से उठाकर खड़ा किया गया; बस लोगों की परछाई से ही जो कैंसर से खाये हुए है; आज, अच्छे, स्वस्थ लोग है।) "ये काम जो मैं करता हूं तुम भी करोगे; परन्तु तुम इससे भी बड़े काम करोगे": "इससे बढ़कर, " सही है।

क्या? मैंने यीशु के नाम के जरिये से, उनके जीवन को कुछ दिनों तक बढ़ाने के लिए जीवन का विस्तार दिया।

लेकिन, "इससे भी बढ़कर तुम करोगो: तुम उन्हें मेरे नाम के जरिये से अनन्त जीवन दोगे।" व्यूह!

160 आप उस बहुमूल्य नाम से क्यों लज्जित होते हो? लोग इससे क्यों दर–किनार करते और इससे पीछे हटते है? यह शैतान है। निश्चित रूप से।

161 "यरूशलेम से आरम्भ करके, सारी दुनिया में उसके नाम में पश्चाताप और पाप की क्षमा के लिए अवश्य ही प्रचार किया जाना है।" यही है जहाँ से संदेश सबसे पहले गया। क्या यह सही है? "यरूशलेम से आरंभ करके, उसके नाम में पश्चाताप और पाप की क्षमा का प्रचार किया जाना है।"

162 अब, सबसे पहले, हम वैसा ही करेंगे जैसा उसने किया: बीमारों को चंगा करने के लिए प्रार्थना करेंगे।

163 इसके बाद, हमारे पास महान दान होगा: जो कोई भी बपतिस्मा लेना चाहता है, उसके लिए पानी यहाँ तैयार है (यहाँ महिलाओं के लिए वस्त्र हैं, यहाँ पुरुषों के लिए वस्त्र हैं), आपके लिए तैयार हैं ताकि आपके पापों को मिटाये; क्योंकि याद रखें, कि आप केवल बाईबल की शिक्षा के अनुसार ही अपने पापों को मिटा सकते हैं। "क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया है, जिसके द्वारा तुम अवश्य ही उद्धार पाओगे।"

164 पौलुस कुछ ऐसे लोगों से मिला जो पहले ही बपतिस्मा ले चुके थे। और जयजयकार कर रहे थे, उसने पास विजय थी। उसने कहा, "तुमने किसका बपतिस्मा लिया था? "

उन्होंने कहा, "यूहन्ना का।"

उसने कहा, "यूहन्ना ने मन फिराव का बपतिस्मा दिया।" अब, इसे समझे: ये मन फिराव के लिए था, पाप की क्षमा के लिए नहीं था। कितने लोग इसे समझ रहे हैं? पाप की क्षमा के लिए नहीं। उन्हें मन फिराव के लिए सही से बपतिस्मा दिया गया था। उन्होंने मन फिराया था: "हाँ, श्रीमान, मैंने मन फिराया है। मुझे विश्वास है कि वह आ रहा है।" उन्हें *मन फिराव के लिए* बपतिस्मा दिया गया था; यानी कि, "प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करना।"

165 फिर जब उन्होंने *इसे* सुना (कि बलिदान आ चुका है), उन्हें यीशु मसीह के नाम में फिर से बपतिस्मा दिया गया था। और फिर, जब उस ने उन पर अपने हाथ रखे, तो उन्हें पवित्र आत्मा दिया गया था; और उन्होंने अन्य जुबानों में बोला और भविष्यद्वाणी की।

166 अब, आप उस वचन को कैसे बदलेंगे? आपने बाईबल में एक स्थान पर अपनी उंगली रखे जहां नए नियम में किसी को भी उनके पापों के लिए क्षमा किया गया था, और कभी भी यीशु मसीह के नाम के अलावा किसी अन्य तरीके से बपतिस्मा लिया गया था।

167 मुझे बाईबल में एक भी जगह दिखाये जहां किसी भी व्यक्ति को पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा के नाम में बपतिस्मा दिया गया हो। या मेरी मेज पर एक इतिहास भी लेकर आये, कलीसिया का एक भी इतिहास जो दिखाता है कि कहाँ कभी किसी ने बपतिस्मा लिया था पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम में, अंतिम प्रेरित की मृत्यु के लगभग तीन सौ वर्ष के बाद तक, जब कैथोलिक कलीसिया का संगठन किया गया था.

168 अब, मेरे पास *प्री–नाइसीन फादर* किताब हैं, और... सारे इतिहासकार, और हर एक चीज, ठीक मेरे अध्ययन में है: दुनिया के सबसे प्राचीन, पवित्र इतिहास में; एकमात्र अचूक सबूत जो हमारे पास हैं।

169 *आवर संडे विज़िटर* पढ़े, या कैथोलिक कलीसिया के मौलिक सिद्धांत, और उन्हें देखें, वे क्या कहते हैं: "कुछ प्रोटेस्टेंट शायद बच जाएंगे, क्योंकि वे कैथोलिक सिद्धांत को स्वीकार करते हैं: क्योंकि उनकी बाईबल कहती है, 'यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा दें,' लेकिन हमने इसके 'यीशु के नाम,' की औपचारिकता को निकाल दिया है और इसमें 'पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा,' को डाल दिया है, और वे इसे स्वीकार करते हैं।"

अब, मुझे इसके विपरीत कोई वचन दिखाओ।

170 और आप वहाँ हो। और फिर भी, दुनिया ठीक इसके सामने झुकती है। क्यों? वे कभी भी कलवरी की ओर नहीं गए। ऐसा ही है। उन्होंने कभी नहीं देखा।

171 वे आपका मज़ाक उड़ाएंगे और आपको कहेंगे... वे यहाँ तक आपको, "पवित्र शोर–शराबा करने वाले," कहेंगे। "केवल यीशु," वाले कहेंगे और वे सभी कट्टर नाम जो वे दे सकते हैं। इससे क्या फ़र्क पड़ता है कि वे आपको क्या बुलाते हैं? उन्होंने क्या किया... उसने परवाह की कि वे उसे क्या कहकर बुलाते हैं? उसे क्रूस पर चढ़ाया गया था। वह परमेश्वर के लिए जीया, और केवल परमेश्वर के लिए ही। और यदि वही आत्मा, जो उसमें थी, आप में है, तो वह आपसे भी उसी कार्य को करवाएगी: उसके नाम के लिए सहन करते हुए। "आप जो भी करते है" (बाईबल कहता है) "वचन में या काम में, यह सब यीशु के नाम में करें, परमेश्वर को स्तुति देते हुए।"

172 आपको वह त्रिएकता, पगान का सिद्धांत कहाँ से मिलता है? ये मौलिक मत सिद्धांत में से आया है, ना ही बाईबल में से। वो शब्द "त्रिएकता" उत्पत्ति से लेकर प्रकाशितवाक्य तक संपूर्ण वचनों में इसका उल्लेख तक नहीं किया गया है। ऐसी कोई चीज ही नहीं है। त्रिकता वादी ईश्वर जैसी कोई चीज़ नहीं है। वह परमेश्वर है, सिर्फ परमेश्वर, वो एक परमेश्वर है। परमेश्वर सदैव एक ही रहा है। उन्होंने तीन कार्य पदों पर कार्य किया: उसने एक बार मूसा के तहत पिता के रूप में कार्य किया। उसने एक बार देहधारी होकर पुत्र, यीशु के रूप में कार्य किया। वह अब पवित्र आत्मा के रूप में कार्य करता है। लेकिन यह एक परमेश्वर है। एक परमेश्वर, ना ही तीन नाम वाला नहीं। एक ही नाम में तीन कार्यालय, तीन उपाधियाँ: यीशु मसीह।

173 जो कुछ भी भिन्न है वह पागान है; और मैं किसी को उसे दिखाने के लिए कहूंगा, यदि ऐसा नहीं है तो। यह सही है। मैंने ऐसा वर्षों के बाद वर्षों के बाद वर्षों तक कहा है, और अभी तक किसी ने इसे नहीं उठाया है (देखा?), क्योंकि यह नहीं हो सकता है। मेरे पास... सबसे पहले, यहाँ बाईबल है; और यह साबित करने के लिए प्राचीन इतिहास है कि यह बिल्कुल सही है। और शैतान बस क्यों... ? मैं... तो ठीक है, बाईबल ने कहा कि वे इसी तरह से होंगे: "वे कैसे आ सकते हैं, जब तक मैं उन्हें न

खींचूं? " बस यही है जो मैं इसके विषय में जानता हूं। यही है जो यीशु ने कहा, इसलिए...

174 मैं ऐसा होने के लिए नहीं कह रहा हूँ... यदि मैंने ऐसा कहा, और इस तरह का प्रचार कर रहा हूं, तो मैं आपके बीच में सबसे गिरा हुआ पाखंडी होऊंगा। यह सही है। मैं ऐसा इसलिए कहता हूं क्योंकि यह सत्य है और यह जीवन है। जितनों ने मसीह में बपतिस्मा लिया, वे मसीह को पहन लेते हैं। उनके पास जीवन है, उसके नाम के द्वारा।

175 हम उसके नाम में प्रार्थना करते हैं, उसके नाम में मांगते हैं, उसके नाम में प्रचार करते हैं, उसके नाम में बपतिस्मा देते हैं, उसके नाम में जीते हैं, उसके नाम में मरते है, उसके नाम में स्वर्ग जाते है, उसके नाम में पुनरुत्थित होते है। "स्वर्ग में पूरे परिवार का नाम यीशु है।" बाईबल ऐसा कहता है: "पृथ्वी पर समस्त परिवार का नाम यीशु है।" उसने कहा, "मैं अपने... "

आप कहते है, "तो ठीक है, यह पिता का नाम है।"

पिता कोई नाम नहीं, ये एक उपाधि है। उसने कहा, "मैं अपने पिता के नाम में आया हूं, और तुम ने मुझे ग्रहण नहीं किया।" अब, वह किस नाम में आया? हूं–हुंह। निश्चित रूप से, "... और तुम ने मुझे ग्रहण नहीं किया।"

176 तो आप वहां हैं; यह बस, जी हाँ, यह बुद्धिमानों और ज्ञानी लोगों की दृष्टि से छिपा हुआ है। निश्चित रूप से, यह निश्चिय ही छिपा है, उह–हह।

177 और प्रकाशितवाक्य में, जैसा कि हमने एक दिन सिखाया था: वहाँ पुराना वेश्य कलीसिया है, जो पहला संगठन है; और फिर उसकी बहुत सारी बेटियाँ थीं जो उससे जन्मी थी। वे एक ही काम को करते हैं, एक ही आदत। वो सब उसी तरह बेबीलोन में सिमट जाते है, एक के साथ... रोम के कलीसिया के साथ और राष्ट्रों के कलिसियाओ का—का एक संघ; और वह वहाँ है, सब कुछ उसमें सिमट रहा है, सब एक ही चीज़ में, एक ही नाव में।

178 लेकिन परमेश्वर की कलीसिया (हाल्लेलुय्या!), यह एक कहलाने वाली कलीसिया है, अलग हुई है। कलीसिया कैसे बनी है? यह आपको कैसे पता चलेगा? आप यह कैसे जान सकते हैं कि यह सत्य है? जब परमेश्वर इसे आप पर प्रकट करता है। हाबिल को कैसे—कैसे ये पता चला कि यह सेब

के बजाय मेमना था? यह उस पर प्रगट हुआ था: "विश्वास ही के द्वारा हाबिल ने परमेश्वर को और भी उत्तम बलिदान चढ़ाया।"

179 रूपांतर के पर्वत से नीचे आते हुए, यीशु कहता हैं, "लोग क्या कहते हैं मैं कौन हूँ? "

कुछ ने कहा, "एलिय्या, " "मूसा, " और इत्यादि।

उसने कहा, "लेकिन मैं तुमसे पूछ रहा हूँ, 'तुम क्या कहते हो कि मैं कौन हूं? ' "

पतरस ने कहा, "तू मसीह है, जीवित परमेश्वर का पुत्र।"

180 उसने कहा, "तुमने यह कभी नहीं सिखा... " अन्यथा (मैं यह कहता हूं, बड़ा होने के लिए नहीं, बल्कि एक मुख्य बात को लाने के लिए): "तुमने इसे किसी धर्म विद्यालय में कभी नहीं सिखा; किसी मनुष्य ने तुम्हें यह कभी नहीं सिखाया; परन्तु मेरे पिता ने, जो स्वर्ग में है, तुम पर यह प्रगट किया है: कि मैं हूं (ना ही पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा नहीं, लेकिन, मैं यीशु मसीह हूं)। और इस चट्टान पर (कौन सी चट्टान? वही एक हाबिल गया; उसी चट्टान पर।), इस चट्टान पर, परमेश्वर का आत्मिक प्रकट हुआ सत्य, मैं अपनी कलीसिया बनाऊंगा, और अधोलोक के फाटक कभी भी इसके विरुद्ध प्रबल नहीं हो सकते।" यह सही है। वे इसकी कोशिश करते हैं, लेकिन वे कभी भी प्रबल नहीं होंगे। समझे?

181 तो बस कलवरी की ओर जाओ, क्रूस पर चढ़े, वापस आकर, और प्रभु के तिरस्कृत हुए कुछ लोगों के साथ अपना रास्ता पकड़ो, आगे बढ़ो।

182 अब, प्रभु, हम सब कुछ आपको सौंप रहे हैं। मैं नहीं जानता, इस झुण्ड में से, यहाँ क्या है। प्रभु, इसे जानने का मेरे पास कोई विचार नहीं है, जब तक कि आप इसे प्रकट नहीं करते। और अब, पिता परमेश्वर, मैं आपसे ऐसा करने के लिए नहीं कह रहा हूँ। मैंने इसे अभी लोगों के हाथ में रख दिया है। वे वहां हैं। होने पाए आज सुबह यह एक वास्तविक कलवरी हो; होने पाए यह खुद की इच्छा, और आत्म–इच्छाओं, और जीवन की बड़ी चीज़ों के लिए एक वास्तविक क्रूसीकरण हो।

183 होने पाए लोग नम्र बनें, और प्रभु के तिरस्कृत हुए कुछ लोगों के साथ रास्ता अपनाने को तैयार हों। होने पाए वे नम्रतापूर्वक चलें। होने पाए वे इस राज्य के अंदर, परमेश्वर के इस महान राज्य में जन्म लें, जो एक आत्मिक

देह है, धरती पर यीशु मसीह की स्वर्गीय देह: "एक आत्मा के द्वारा हम सभी ने एक शरीर में बपतिस्मा लिया हैं।"

184 इसे प्रदान करें, प्रभु। चाहे वे काले हों, सफेद हों, पीले हों, भूरे हों, जो भी हों, पुरुष हों या महिला, बंधुआ हों या स्वतंत्र: हम सभी को उसी आत्म–आत्मा से पीने के लिए बनाया गया है।

185 इसे प्रदान करें, पिता, और होने पाए यह... बहुतों के बीच, आज सुबह, कि वे समझ जाये; होने पाए आप उनकी समझ को खोले। तब, यह उनके लिए एक नए दिन की तरह होगा: सूरज चमकेगा, और मनुष्य की बनाई धर्मशास्त्रों की निराशाजनक रोशनी दूर चली जाएगी, और परमेश्वर का प्रकाश उनके मार्ग पर चमकेगा, और उस पर्दे को फाड़ देगा जो इस सुंदर प्रकाश में पर्दा हुआ है। और वे पवित्रता के राजमार्ग पर चल सकते हैं, फिर, दूसरों के लिए जीते हुए, जैसा कि मसीह जिया था।

186 अब जैसा कि हम प्रार्थना पंक्ति को लाते हैं, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप आज सुबह अपने सेवकों का अभिषेक करेंगे, हम सभी का, जब हम एक दूसरे के लिए प्रार्थना करते हैं। और आज प्रदान करे कि इस प्रार्थना पंक्ति के माध्यम से आने वाला हर एक बीमार व्यक्ति चंगा हो जाए। होने पाए वे वापस आये, छोटी तिरछी आँखों वाली लड़की, और छोटे लड़के के जैसे, और... और उस बुजुर्ग महिला, और—और भाई राइट, और उनमें से बहुत से जो आये थे, प्रभु, कष्टों और बीमारियों के साथ और कुछ ऐसी चीज़ों के साथ जिन्हें डॉक्टर ठीक नहीं कर सके थे; और वे आज यहाँ पर हैं (लगभग एक सप्ताह पहले), और वे, ठीक है, आज यहाँ हैं।

187 परमेश्वर, पुरुष और महिलाएं उसी विश्वास के साथ यहाँ से होकर जाए, यह जानते हुए कि वे उसके विचारों और उसके धारणाओं को क्रूस पर चढ़ाए जाने के लिए कलवरी जा रहे हैं कि वे "चंगाई से गुजर रहे है." होने पाए वह सामर्थ जिसने यीशु को कब्र से उठाया, उन्हें जीवन दे, विश्वास का महान जीवन दे।

188 और फिर, इसके तुरंत बाद, होने पाए बहुत से लोग बपतिस्मा के लिए तालाब में आ जाए। हम यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

189 अब, हमें प्रार्थना पंक्ति और बपतिस्मा सभा को करने के लिए बस बीस मिनट का समय मिला है। अब हमारे पास प्रार्थना कार्ड नहीं हैं। हमने उससे प्राप्त किया है, और जब भी हम शुरू करेंगे तो हम अपनी बड़ी सभाओ में

इस पर काम करने का प्रयास करेंगे। मैंने आप सभी को बताया है, हमने इसे रख दिया है, हमने इसे टेप किया है, और जहां भी मैं जाऊंगा, उन टेपो को आगे भेज दिया जाएगा।

190 यह चिन्ह केवल आशीष की ओर इशारा करता है। विचार यह था, "यदि तुम बीमारों के लिए प्रार्थना करो, तो लोगों को खुद पर विश्वास करने को लगाओ।"

मैंने कहा, "वे मुझ पर विश्वास नहीं करेंगे."

उसने कहा, "तुम्हें ये चिन्ह दिये जायेंगे और वे उन्हीं चिन्हों से विश्वास करेंगे।" वे चिन्ह दुनिया भर में दस वर्षों से बार–बार दिखते रहे हैं, एक बार भी असफल हुए बिना। इसमें बिल्कुल भी विफलता नहीं मिली है। कितने लोग जानते हैं कि यह सच है?

191 खैर, यदि आप संकेत पर विश्वास कर सकते हैं, तो संदेश पर विश्वास करें। यह सही है। यह इसे दिखाता है. और क्या परमेश्वर मुझमें एक संदेश डालेगा (और इसे उस तरह इतना सिद्ध होने दें, लेकिन क्या...) और मैं आपसे कहता हूं कि क्या कुछ झूठ होगा? परमेश्वर मुझे ऐसा नहीं करने देगा। नहीं, नहीं। नहीं श्रीमान। मैं आपको सत्य को बता रहा हूँ।

192 अब, आप सभी जो प्रार्थना करवाना चाहते हैं, जो यहां इस पंक्ति में है, यदि आप चाहें तो इस तरफ आ जाए, वहाँ पर, दाहिनी ओर पंक्ति को लगाये। और फिर जब हम प्रार्थना करेंगे तो लोगों को इसमें से आने दिया जाएगा। तब हम उन—उन भाइयों को, संचालकों को लेंगे, और वे देखेंगे; और जैसे ही वे यहां से होकर आते हैं, फिर इस तरफ, हम उन्हें पीछे से लाएंगे, और इसमें से होकर से लाएंगे। सभी के लिए प्रार्थना की जाए।

193 [कोई भाई ब्रंहम से बात करता है—सम्पा।] ओह, नहीं, नहीं, मैंने नहीं किया। खैर, जब भी आप चाहें। कोई बात नहीं। आप उसे बाहर ला सकते हैं, या आप... मैं सकता हूँ... उसे अभी बाहर ले आये या थोड़ी देर बाद, जब भी वह चाहे, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

194 अब, आइए, अगले कुछ मिनटों के लिए, जितना हो सके, शांत रहें। मैं चाहता हूं कि आप सभी अब सोचें: अब, बाईबल ने क्या—क्या कहा? "विश्वास की प्रार्थना बीमारों को बचाएगी।" कितने लोग जानते हैं कि यह सही है? कितने लोग जानते हैं बाईबल में कहा गया है, "ये चिन्ह उन लोगों

के पीछे–पीछे जायेंगे जो विश्वास करते हैं। जो काम मैं करता हूं वही तुम भी करोगे"? और वे काम क्या थे? उसने कहा, "यदि तुम्हें विश्वास है कि मैं यह करने में सक्षम हूं तो मैं ऐसा कर सकता हूं।" क्या यह सही है?

मेरा प्रश्न क्या था? "वे मुझ पर विश्वास नहीं करेंगे."

उसने कहा, "ये चिन्ह उन्हें विश्वास करने के लिए प्रेरित करेंगे।"

195 अब, यदि आप विश्वास करते हो, तो तैयार हो जाओ: यह आपके छुटकारे का समय है। ठीक वैसे ही जो यह पाप से छुटकारा देता है, यह उसी परमेश्वर की वही प्रतिज्ञा है।

196 अब, हमारे बीच यहां न्यू अल्बानी से एक छोटी, बीमार महिला है, जिसके पेट में समस्या है। हम पहले उसके लिए प्रार्थना करेंगे, ताकि उसे—उसे एक सीट दिलवा सकते है। अब, शांतिपूर्ण, और हर एक जन, अब। मैं चाहता हूं कि भाई लोग यहां मेरी सहायता करें। और आइए, अब प्रार्थना के लिए एक क्षण के लिए अपने सिरों को झुकायें।

197 अब, स्वर्गीय पिता, यह आपका वचन है। मैं इस पर होने वाली प्रतिक्रिया के लिए ज़िम्मेदार नहीं हूं, लेकिन मैं इसका प्रचार करने के लिए ज़िम्मेदार हूं। और यह जानते हुए (और यह जानते हुए कि मैं अब एक अधेड़ उम्र का मनुष्य हूं, और किसी दिन मुझे अवश्य ही आपका सामना करना होगा): मैंने हृदय से सत्य का प्रचार किया है। आपको यह पता है। ना ही पक्षपाती होने के लिए, यदि ऐसा था, प्रभु, तो मुझे पश्चाताप की आवश्यकता है।

198 और पिता, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप सहायता करेंगे, अब, जब हम बीमारों के लिए प्रार्थना करने जा रहे हैं, होने पाए मेरी प्रार्थनाओं का उत्तर दीजिये, न ही केवल मेरी प्रार्थनायें, प्रभु, बल्कि इस कलीसिया की प्रार्थना, जब ये बेचारे लोग... यदि यह मेरी पत्नी यहाँ खड़ी होती तो क्या होता? क्या होता यदि यह मेरी पत्नी होती, जो व्हीलचेयर पर बैठी हुई है? या मेरी बहन होती? मेरी मां? ओह, परमेश्वर, इन लोगों को चंगा कीजिये। क्या आप करेंगे, प्रभु?

199 देखो, प्रार्थना पंक्ति में खड़े हुए है: हृदय की समस्या, कैंसर, ट्यूमर, सभी प्रकार की बीमारियाँ और कष्ट के साथ। उनमें से बहुत से आते हैं (सैकड़ों को छुटकारा मिला है, ठीक यहीं से, प्रभु), और वे इसे देखते हैं, और वे इस पर विश्वास करते हैं, और वे प्रार्थना पंक्ति में आ रहे हैं ताकि

उनकी प्रार्थना स्वीकार हो। वे अब एक जीवित पत्थर के पास आ रहे हैं, ना ही आपके सेवक के पास, लेकिन आपके पुत्र, यीशु के पास, जो कलीसिया का अगुवा है, आत्मिक, हमारे बीच का रहस्यमयी व्यक्ति है। और जैसे हम जाते हैं, उसके नाम को रखते हुए (आपने कहा, "मेरे नाम से वे शैतानों को बाहर निकालेंगे।"), मैं प्रार्थना करता हूं कि आप यीशु के नाम में हमारी प्रार्थनाओं का उत्तर देंगे। आमीन।

200 अब, सभी लोग प्रार्थना में रहें। अब, यह भी आपका ही भाग है। यह आपकी प्रार्थना है।

अब इस छोटी महिला को मरना ही है, यदि किसी ने उसकी मदद नहीं की तो।

201 कितने लोग भाई स्टैडस्कलेव को जानते हैं? भाई और बहन स्टैडस्कलेव? एक रात मुझे जर्मनी से तीन बार फोन आया था; उनका बच्चा मर चुका था. उन्होंने पूछा, "भाई ब्रंहम, हमने आपको देखा है, परमेश्वर की आत्मा के द्वारा, मृतकों को जीवित करते हुए," (उन्होंने वहां खड़े होकर और इसे देखा है। समझे?) "और हम जानते हैं कि आप प्रभु के भविष्यद्वक्ता हो। केवल शब्द को कहो।"

मैंने कहा, "मैं इसे तब तक नहीं कह सकता, जब तक कि यह मेरे मुंह में न डाला जाए।"

"जर्मनी आय।" मैं तुरंत ही उठा। और उन्होंने फ़ोन किया: "एक जेट विमान भेजा है जो आपको छह घंटे में जर्मनी पहुंचा सकता है।" एक आर्मी जेट विमान जो मुझे एक मृत बच्चे को जिलाने के लिए जर्मनी ले जाएगा। लुईसविले से म्यूनचेन, जर्मनी तक, सेना का एक जेट विमान मुझे छह घंटे में ले जाएगा।

202 मैं वहाँ पर गया, और अपने घुटनों पर आया, और मैंने कहा, "पिता, मुझे क्या कहना चाहिए? मेरे मुंह में बोलो।" उसने मुझे उत्तर नहीं दिया। मैं जंगल की ओर गया, मैंने कहा, "पिता, मुझे क्या कहना चाहिए? मेरे मुँह में शब्द डालिए। यदि नहीं, तो मैं व्यर्थ में वहां जाऊँगा।" मैं वापस गया, उसने मुझे कोई उत्तर नहीं दिया। अंदर आया। सारी रात भर मैंने प्रार्थना की, "प्रभु, मेरे मुँह में शब्द डाल दो।" कुछ भी उत्तर नहीं दिया।

203 अगली सुबह मेरी पत्नी उठी। जैसे ही वह चली गई, वचन आया (मैं खड़ा हो गया), उसने कहा, "इसे फटकारना मत। यह प्रभु का हाथ है।" हूं–हुंह।

उसके बाद तुरंत ही फ़ोन किया: "मैं नहीं आ सकता। नहीं, यह प्रभु का हाथ है। मुझे रोका गया है।" आपने देखा उस फटकार में कितनी ताकत है? जब परमेश्वर ने कहा, "तुम ऐसा मत करना, क्योंकि यह प्रभु का हाथ है।"

204 अब, एक बार, मूसा को कुछ तो नहीं करने के लिए कहा गया था, उसने जाकर और किसी भी तरह उसे किया। आपको याद है? इसलिए मैं—मैं नहीं गया।

205 और मैं आपको दिखाने के लिए चार अलग–अलग लोगों के बयान को ला सकता हूं, जिन्हें डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया था, प्रार्थना और मृत्यु को फटकार लगाने के बाद। देखा? हम वहां खड़े होकर उस चीज फटकार लगाते है। और यदि परमेश्वर ने आपको कुछ करने की सामर्थ दी है, तो बेहतर होगा कि आप जो कर रहे हैं उसमें सावधान रहें। समझे? बेहतर होगा कि आप साव–... उसने कहा, "नहीं... "

206 अब, याद रखें, हो सकता है कि यह आपके साथ इतना ध्यान में नहीं चढ़े, लेकिन मेरे लिए, इसका कुछ मतलब है। देखा?

"इसे फटकार मत लगाओ।" बहुत ही मधुर, नम्र आवाज़ (लगभग साढ़े छह बजे, मैं सोचता हूं कि यह उस सुबह साढ़े छह बजे का समय था) कहा, "इसे फटकारना मत। यह प्रभु का हाथ है।"

मैंने कहा, "धन्यवाद पिता। धन्यवाद प्रभु। मैं इसे नहीं करूँगा।"

207 यदि उसने कहा होता था, "इसे फटकारो। यह शत्रु अंदर घुस आया है।"

मैं कहता, "आओ चले।" और यह हो चुका होता।

208 जब फ़िनलैंड में वह छोटा लड़का वहाँ पड़ा हुआ था, मर हुआ, कुचला हुआ, उसके शरीर में एक भी हड्डी सही नहीं थी, प्रभु ने कहा कि यह शैतान का हाथ था, कहा, "इसे फटकारो।"

209 और मैंने कहा, "मृत्यु, तू उसे पकड नहीं सकती। उसे वापस लाओ, उसे छोड़ दो।" वहाँ, वह अपने पैरों पर खड़ा हो गया, ठीक–थक, उसके

शरीर की एक भी हड्डी टूटी हुई नहीं थी। यह प्रभु का वचन है। जब तक प्रभु का वचन मेरे पास नहीं आता, मैं प्रभु के वचन का उपयोग नहीं कर सकता।

210 लेकिन वचन में, प्रभु के वचन ने मुझे इन बीमार लोगों के लिए प्रार्थना करने की आज्ञा दी है; आपको उनके लिए प्रार्थना करने की आज्ञा दी हैं। अब, "विश्वास की प्रार्थना बीमारों को बचाएगी;" आइये प्रार्थना करें, आप सिरो को झुकायें; जैसे–जैसे आप आगे बढ़ेंगे, हम देखेंगे कि वह क्या कहता है।

211 आप एक मसीही हैं, क्या आप है? क्या आप पूरे ह्रदय से विश्वास करती हैं कि यीशु आपको चंगा करेगा? पेट में थोड़ी समस्या है; वर्षों तक इसे सहन किया है, बहन। अब, यदि आप विश्वास करेंगी तो आप चंगी हो जायेंगी।

212 अब, प्रभु परमेश्वर, इस युवा महिला को मरना ही है यदि आप उसकी मदद नहीं करते है तो। अब मैं प्रार्थना करता हूं, जब मैं उसकी ओर देखता हूं, मुझे उसके मरने का कोई कारण नहीं दिखता।

और मैं अपनी आत्मा में महसूस करता हूं, प्रभु, कि यह आपकी इच्छा की अनुमति है, अब, कि मैं इसे फटकार देता हूं: शैतान, उसे छोड़ दे!

यीशु मसीह के नाम में, होने पाए वह चंगी हो जाये, इस कलीसिया में आकर, और परमेश्वर की महिमा के लिए गवाही दे। आमीन।

213 अब, यह बहुत ही सरल है, महिला, आप चंगी हो जायेगी। क्या आप यह विश्वास करते हैं भाई?

यहाँ नीचे क्या आप विश्वास करते है कि आप चंगे हो जायेंगे? अब जाये, खाना शुरू करो जो भी आप ... तब तुम चंगी हो जाओगी।

अब, तुम दुनिया को झटका देने और इसे लकवा देने की अपेक्षा करते हो; इसने आपको आघात पहुँचाया, और आपको लकवाग्रस्त बना दिया। अब, स्वर्ग का परमेश्वर जो पापों की क्षमा देने के लिए संसार से उसके आघात को हटाता है, उसी नाम के द्वारा, आपको पापों की क्षमा दे सकता है, आप पर से आघात दूर करता है, और आपको चंगा कर सकता हैं।

विश्वास करते है कि वो उस ह्रदय की धड़कन को अच्छी तरह धड़कने को लगा सकता है? आप ऐसा करो, आप ठीक हो जाओगे... ? ...

214 प्रभु यीशु, इस बेचारी महिला को जीवन भर इसी कुर्सी पर रहना ही है और फिर, उठा लिया जाएगा। लेकिन हम मांगते हैं कि शैतान की यह सामर्थ उसमें से ले ली जाए। होने पाए वह जीवित रहें, चलें और पहले की तरह सामान्य रहें। हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

215 आप विश्वास करते है? यह समाप्त हुआ काम है, यह पूरा हुआ है। क्या मामला है? बिना किसी डर के, बिना किसी... नहीं था... ? आप एक बार कैंसर से चंगी हुई थी... ? ... छोड़ दो, सब कुछ यीशु को दे दो।

216 प्रभु यीशु, मैं इस महिला पर अपना हाथ रखता हूं और उसकी बीमारी को डांटता हूं। मैं जानता हूं कि वह एक मसीही है, आत्मा से जन्मी है। मैं इसे उससे दूर करता हूं, उसके नाम में जो यीशु मसीह का अद्भुत नाम है। आमीन।

217 प्रभु परमेश्वर, उसके बहुमूल्य भाई के लिए, मैं यीशु के नाम में उसके उद्धार के लिए प्रार्थना करता हूं। उस पर खड़े रहे। आमीन। इसे किया जाएगा।

218 क्या तुम अपना चंगाई को स्वीकार करने के लिए तैयार हो, पुत्र? ठीक है, यह उसके हाथ में चला गया है।

219 प्रभु यीशु, इस नौजवान पर, जिसने कहा, वह आपसे अपनी चंगाई को पाने के लिए प्रार्थना करता है। आपके सेवक के रूप में, मैं यीशु मसीह के नाम में उस पर अपना हाथ रखता हूं... ? ... आमीन।

अब, बस कोई भी... ? ... अब, आप बस उसका नाम पुकारें। अभी ना—ना ही मेरा... ? ...

220 पिता परमेश्वर, जैसे एक इकलौता पुत्र जो एक बार माँ की गोद में झुका हुआ था, वो उसे थपथपा रही थी और—और उसके साथ प्रार्थना की और उसने उसका छोटा सा हाथ पकड़ा जब वह दुलारता हुआ एक बच्चा था। अब, शैतान ने उस मां को एक पागल के संस्था में डाल दिया है। परमेश्वर, वह जीवित परमेश्वर की पवित्र कलीसिया में आया है, एक कलीसिया जो परमेश्वर की आत्मा से जन्मी है, एक कलीसिया जिसमें परमेश्वर की आत्मा रहती है, और स्वयं को ज्ञात करवाती है। और आज, प्रार्थना के द्वारा, हम उस महिला को उस संस्था से छुड़ाते हैं। यीशु मसीह के नाम में, हम प्रार्थना करते हैं। आमीन।

घर जाये, आप बिल्कुल ठीक हो।

आने के लिए आपका धन्यवाद, अपनी माँ के विषय में मांगने के लिए; यही एक सच्चा बेटा है।

221 यह तुम्हारे छुटकारे का दिन है। प्रभु यीशु, इस युवा महिला के लिए, उसके पति के उद्धार और उसके गले की तकलीफ से छुटकारे के लिए, होने पाए वह इसे यीशु मसीह के नाम में ग्रहण करे, जो कहता है "आकर, अब इसे विश्वास करो," और यह एक पूरा हुआ कार्य है।

222 प्रभु, डॉक्टरों ने कहा है, प्रभु, यह उसके शरीर में है, उसकी आंखों में आ रहा है। वह इस वेदी पर छुटकारा पाने के लिए आई है, जब यह पवित्र कलीसिया प्रार्थना करती है, मैं यीशु मसीह के नाम में उसके छुटकारे के लिए मांगता हूं, यह कष्ट उसके शरीर को छोड़ देगा। यह पूरा हुआ काम है।

उसके पुत्र के लिए, मैं इस रूमाल को आशीष देता हूं। होने पाए उसके कानों में सुनने और सही स्थिति में वापस आ जाये... ? ...

223 अब कलीसिया बोलती है; अब कलीसिया यीशु मसीह की रहस्यमयी देह है। हम सब आपके लिए प्रार्थना कर रहे हैं। देखा? हम—हम यह दावा नहीं करते कि हम अब दुनिया में नहीं हैं। हम यह सोचने की बात नहीं कर रहे हैं कि हम कहाँ जा रहे हैं। हमने मार्ग को पा लिया है। हमारा जन्म उसी तरह से हुआ था। हम जीवित परमेश्वर की कलीसिया हैं (इसका भाग); यकीनन, यह पूरी दुनिया में फैली हुई है। लेकिन यह उन्हीं में से झुण्ड है। आज, हम एक साथ उसके नाम में आते हैं। हम वही करने आये हैं जो उसने करने को कहा है। जब हम एक साथ आते हैं तो वह क्या प्रकट नहीं कर सकता। बीमारों के लिए प्रार्थना करना, उन पर हाथ रखना, "विश्वास की प्रार्थना बीमारों को बचाएगी।"

224 होने पाए आपके ह्रदय की समस्या आपको छोड़ जाए। यीशु मसीह के नाम में, मैं परमेश्वर के द्वारा मुझे दी गयी आज्ञा का पालन करता हूँ... ? ...

उस दिन कलवरी पर HIN60-0925

(That Day On Calvary)

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार सुबह, 25 सितंबर, 1960 को ब्रंहम टेबरनेकल, जेफ़रसनविले, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2023 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org